राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 04 अप्रैल 2026 वर्ष-9,अंक-69 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चुनाव में फायदा उठाने के लिए बुलाया है विशेष सत्र

- केंद्र पर बरसी कांग्रेस, बंगाल समेत 5 राज्यों का दिया हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने तथा चुनावी लाभ हासिल करने के लिए इस महीने संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन करके दोबारा श्रेय लेना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के साथ परिसीमन का भी

एकतरफा फैसला किया, जबकि इस बारे में विपक्ष के साथ कोई बातचीत नहीं की। महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए गुरुवार को संसद का वर्तमान बजट सत्र बढ़ा दिया गया और अब लोकसभा तथा राज्यसभा की अगली बैठक 16 अप्रैल को होगी। दोनों सदनों की तीन दिवसीय बैठक 16 से 18 अप्रैल के बीच हो सकती है। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, संसद का वर्तमान बजट सत्र गुरुवार, दो अप्रैल को ही संपन्न होना था।

- सर्वदलीय बैठक से किनारा कर रही सरकार: जयराम रमेश

रमेश ने संवाददाताओं से कहा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 16 मार्च को मल्लिकार्जुन खरगे जी को पत्र लिखकर कहा था कि सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर बातचीत करना चाहती हैं। खरगे जी ने जवाब दिया कि सभी दलों की बैठक बुलाई जाए, जिसमें सरकार लिखित रूप से प्रस्ताव दे कि वह क्या करना चाहती है। उनके मुताबिक, 24 मार्च को विपक्षी नेताओं ने रीजीजू को लिखकर फिर कहा कि 29 अप्रैल के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, क्योंकि 29 अप्रैल तक पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हो जाएंगे। रमेश ने कहा,26 मार्च को रीजीजू जी फिर खरगे जी को पत्र लिखकर कहते हैं कि कांग्रेस सरकार से बातचीत करे। खरगे जी ने जवाब में दोहराया कि 29 अप्रैल के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए।

दतिया विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता खत्म

- देर रात सचिवालय पहुंचे प्रमुख सचिव, आदेश जारी किया

भोपाल (एजेंसी)। विधानसभा सचिवालय ने दतिया विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म करने का आदेश जारी कर दिया है। गुरुवार देर रात करीब साढ़े दस बजे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा विधानसभा पहुंचे। इसके बाद सचिवालय खोलकर भारती की सीट रिक्त घोषित करने का पत्र चुनाव आयोग को भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। शर्मा आदेश टाइप करा रहे थे, इसी बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और दूसरे नेता भी विधानसभा पहुंच गए। दोनों नेता सीधे प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा के चैंबर में पहुंचे और पूछा कि इतनी रात में विधानसभा क्यों खोली गई। प्रमुख सचिव शर्मा बिना जवाब दिए वहां से निकल गए। देर रात आदेश जारी कर दिया गया। उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारती की सदस्यता खत्म करने के लिए यह कदम भाजपा के इशारे पर उठाया गया। यह नियमों के खिलाफ है। हम कोर्ट जाएंगे।

राजेंद्र भारती

पीसीसी चीफ ने कहा- भाजपा लोकतंत्र खत्म करने में जुटी- मामले पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने शुक्रवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कहा- विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म करने के विरोध में कांग्रेस कोर्ट जाएगी। इसको लेकर पार्टी सांसद और सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा, दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल समेत टीम काम कर रही है, जो कोर्ट में पेश किए जाने वाले दस्तावेजों पर डिस्कशन करेगी। पटवारी ने कहा- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंडे पर काम करते हुए भाजपा लोकतंत्र खत्म करने में जुटी हुई है। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का पेड न्यूज से संबंधित मामला विधानसभा में पेंडिंग है। बीना विधायक निर्मला सप्रे के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है और राजेंद्र भारती के पास अपील का समय होने के बाद भी सदस्यता खत्म कर दी गई है। जीतू पटवारी के सवालों पर सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने पलटवार किया है।

अब समंदर में और बढ़ गई

भारत की ताकत

- आईएनएस तारागिरी और आईएनएस अरिदमन नौसेना में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईएनएस तारागिरी और आईएनएस अरिदमन शुक्रवार को भारतीय नौसेना में शामिल हो गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में परमाणु पनडुब्बी अरिदमन और स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी को राष्ट्र को समर्पित किया। विशाखापत्तनम में आयोजित इस गरिमामय समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी और सीडीएस जनरल अनिल चौहान सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गहराई में छिपकर दुश्मन को तबाह करने की क्षमता

यह दोनों युद्धपोत भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17ए के तहत एक उन्नत स्टेल्थ फ्रिगेट हैं। आईएनएस अरिदमन जहां समंदर की गहराई में छिपकर दुश्मन को तबाह करने की क्षमता रखती है, तो आईएनएस तारागिरी सतह पर तेज रफ्तार और आधुनिक हथियारों के साथ दुश्मनों पर हमले करने के लिए तैयार है। दरअसल, तारागिरी को ऐसे समय में नौसेना में शामिल किया गया है, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। इसकी मुख्य वजह क्षेत्रीय सुरक्षा के बदलते समीकरण और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी है। प्रोजेक्ट 17ए के तहत निर्मित यह चौथा शक्तिशाली युद्धपोत है। से पूरी तरह भारत में तैयार किया गया है। 6,670 टन वजनी यह युद्धपोत न केवल मेक इन इंडिया की सफलता की कहानी कहता है, बल्कि यह हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की अत्याधुनिक इंजीनियरिंग क्षमताओं को दर्शाता है। अत्याधुनिक हथियारों और रडार से बचने की अपनी स्टेल्थ क्षमता के कारण तारागिरी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का अभेद्य कवच साबित होगा। तारागिरी बहुत अधिक पावरफुल और घातक है। यह शक्तिशाली हथियार और सेंसर से लैस है। यही नहीं इसमें पनडुब्बी रोधी ऑपरेशन के लिए रॉकेट और टॉरपीडो भी लगाए गए हैं।

बिहार के मोतिहारी में फिर शराब कांड

5 लोगों की मौत

- 6 की आंख की रोशनी गई, 7 लोगों की हालत गंभीर

हत्या का केस दर्ज,एसएचओ सस्पेंड-चौकीदार गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसी)। बिहार में एकबार फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 2 की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया है। रघुनाथपुर थाना के बालगंगा के संपत साह ने दोपहर 1 बजे मुजफ्फरपुर के असपताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले सुबह परीक्षण मांझी (46), और हीरालाल भगत की मौत हो गई।

गुरुवार रात दूसरी मौत के बाद खुलासा

मिली जानकारी के अनुसार, दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बुधवार शाम लोगों ने शराब पी, जिसके बाद तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के पुलवा घाट निवासी चंदू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसके बाद इस मामले का खुलासा हुआ।

तेजस्वी बोले- बिहार में शराबबंदी फेल

मोतिहारी शराबकांड पर तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, '4 लोगों की मौत, 6 लोगों की आंखों की रोशनी चले जाना और कई लोगों की हालत गंभीर होना अत्यंत दुखद है। यह बिल्कुल भी पहली बार नहीं है। अब तक बिहार में जहरीली शराब से 1300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

महिला आरक्षण बिल और परिसीमन से होगा 'खेला'

बड़ा दांव खेल रही भाजपा, मिशन 2029 की तैयारी शुरू!

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को संसद का वर्तमान बजट सत्र बढ़ा दिया गया है। इसके बाद अब 16 से 18 अप्रैल के बीच लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों की 3 दिवसीय बैठक होगी। इस विस्तारित सत्र को लेकर केंद्र सरकार की बड़ी तैयारियां हैं। सरकार इस तीन दिनों की कार्यवाही के दौरान महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन से जुड़ा विधेयक ला सकती है। इसके अलावा केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी परिसीमन की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन कदमों के साथ ही बीजेपी ने अभी से ही मिशन 2029 की तैयारी शुरू कर दी है। जहां 2014 से पहले बीजेपी का फोकस राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर था, वहीं अब पार्टी नए एजेंडे के साथ आगे बढ़ रही है। महिला आरक्षण के साथ साथ 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का मुद्दा भी तेजी पकड़ रहा है। बीजेपी इसे अपने बड़े सुधार के रूप में पेश करेगी और चुनाव में इसे वोट में बदलना चाहेगी।

महिलाओं को मिलेगा 33 फीसदी आरक्षण

इससे पहले केंद्र सरकार परिसीमन (डिलिमिटेशन) प्रक्रिया शुरू करने और लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसे एक रणनीतिक फैसला माना जा रहा है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' यानी महिला आरक्षण कानून को संसद के विस्तारित सत्र में पास कराया जा सकता है। गौरतलब है कि यह कानून सितंबर 2023 में पास हुआ था, लेकिन इसमें लागू करने की कोई तय समय सीमा नहीं थी। अब 2029 के चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी इसे लागू करने के लिए तैयार है।

2027 तक पूरा होगा परिसीमन, बड़ा है दांव

वहीं परिसीमन की प्रक्रिया भी 2027 तक पूरा होने की संभावना है। प्रस्ताव है कि लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या करीब 50 प्रतिशत बढ़ाई जाए। इससे लोकसभा की कुल सीटें बढ़कर 816 हो सकती हैं, जिनमें से 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इससे पुरुष और महिला दोनों वर्गों को संतुलित प्रतिनिधित्व मिलेगा। परिसीमन को लेकर दक्षिण भारत में जो चिंता थी, उसे दूर करने के लिए सरकार राज्यों के बीच सीटों का अनुपात बरकरार रखने पर भी विचार कर रही है। अगर यह योजनाएं 2029 तक लागू हो जाती है, तो बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

ईरान के टोल बूथ पर

अमेरिका का भीषण हमला

- जल उठा केशम पोर्ट, सैटेलाइट तस्वीरों में दिखी तबाही
- होर्मुज स्ट्रेट में टोल वसूलने के लिए महत्वपूर्ण है द्वीप

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल और अमेरिका ने ईरान के केशम के पोर्ट पर हमला किया है। यूरोपियन यूनियन/कोपरनिकस सेंटिनल-2 की सैटेलाइट तस्वीरों में गुरुवार को ईरान के केशम बंदरगाह से धुआं उठता हुआ देखा गया है। यह हमला ईरान के लिए रणनीतिक और आर्थिक तौर पर बड़ा झटका है। यह पोर्ट ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण हैं। ईरान की होर्मुज में टोल वसूलने जैसे व्यवस्था के लिए इस द्वीप का बहुत महत्व है। केशम फ्री जोन के अधिकारियों ने बताया कि ईरान के केशम द्वीप पर स्थित बहमन कमर्शियल बंदरगाह और दोहा मछली पकड़ने के घाट के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। यह नुकसान 1 अप्रैल की शाम से 2 अप्रैल की दोपहर तक बंदरगाह की सुविधाओं को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी-इजरायली हमलों के कारण हुआ।

बंदरगाह को निशाना बनाकर हमला

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने बताया है कि अमेरिका-इजरायल के इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। केशम फ्री जोन के उप-प्रमुख मंसूर अजीमजादेह अर्देबिली ने बताया है कि बहमन पूरी तरह से एक कमर्शियल बंदरगाह है। इस तरह से पोर्ट पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय नियमों का सीधा उल्लंघन है। इजरायल और अमेरिका के इस हमले से क्षेत्र में लड़ाई तेज हो सकती है। ईरान के इस्लामिक

रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इसी क्षेत्र में एक अमेरिकी विमान को गिराने का भी दावा किया है। आईआरजीसी ने कहा है कि उन्होंने फारस की खाड़ी में केशम द्वीप के दक्षिण में अमेरिका के एक उन्नत लड़ाकू विमान को मार गिराया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के दो छोटे-छोटे द्वीप लारक और केशम हैं। इन दोनों द्वीपों के बीच बीच एक संकरा रास्ता है। इस मार्ग को इन द्वीपों के नाम पर लारक-केशम गैप (या लारक-केशम चैनल) कहा जाता है। केशम पर ईरान का बंदरगाह भी है। ऐसे में यहां देश का तेल और दूसरी चीजों का व्यापार भी बड़े पैमाने पर होता है। ईरान के लिए केशम पोर्ट और लारक-केशम चैनल लड़ाई शुरू होने के बाद से व्यापार और दुनिया के व्यापारिक जहाजों की बारीकी से निगरानी की अहम जगह है। ईरान लारक-केशम चैनल से जहाजों को यहां से निकाल रहा है, जिनके उससे अच्छे संबंध हैं या फिर बातचीत के बाद जिन देशों के जहाजों को पार कराने का फैसला ईरान कर रहा है।

ईरान की मिडिल ईस्ट में 8 ब्रिज उड़ाने की धमकी

- लिस्ट जारी की, अमरीका ने ईरानी पुल तबाह किया था

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने मिडिल ईस्ट के 8 बड़े पुलों की लिस्ट जारी कर उन्हें तबाह करने की धमकी दी है। ईरान इन पुलों को रणनीतिक तौर पर अहम मानता है, क्योंकि ये कई देशों की कनेक्टिविटी और ट्रांसपोर्ट के लिए बेहद जरूरी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की लिस्ट में कुवैत, यूएई, सऊदी अरब और जॉर्डन के कई महत्वपूर्ण पुल शामिल हैं। इनमें शेख जाबेर अल-अहमद समुद्री पुल (कुवैत), शेख जायद ब्रिज, अल मकता ब्रिज, शेख खलीफा ब्रिज (यूएई), किंग फहद कॉजवे (सऊदी अरब-बहरीन) और जॉर्डन के किंग हुसैन, डामिया और अबदून ब्रिज शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान के करज शहर में ब्रिज पर दो बार हमला किया था। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और पुल पूरी तरह तबाह हो गया। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता था।

ये अमृतकाल नहीं, सनातनियों का संकटकाल है

- भाजपा संविधान से नहीं, मन-विधान से चलने वाली पार्टी
- अखिलेश ने कहा-हम गांव-गांव मनाएंगे अंबेडकर जयंती

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में अमृतकाल नहीं, बल्कि संकटकाल चल रहा है। समाजवादी पार्टी अब गांव-गांव जाकर डॉ. भीमराम अम्बेडकर की जयंती मनाएगी और संविधान पर चर्चा करेगी। अखिलेश ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और लोकतंत्र की जगह एकतंत्र लाना चाहती है। यह अमृतकाल नहीं है, यह सनातनियों का संकटकाल चल रहा है। संत मारे जा रहे हैं, संतों की हत्याएं हो रही हैं, उनका अपमान किया जा रहा है। अखिलेश ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में लोहिया वाहिनी और छात्रसभा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड सहित अन्य संगठन के जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इसी अवसर पर वे मीडिया से मुखातिब थे।

भाजपा सौदागर की तरह काम कर रही

अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हम समाजवादी लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिए हुए संविधान, डॉ लोहिया के दिखाया हुए रास्ते और नेताजी के आदर्शों पर चलकर समाजवादी व्यवस्था लागू करना चाहते हैं। दूसरी ओर भाजपा की सरकार है, जो सौदागर की तरह काम कर रही है। हर चीज बेच रही है। उनका लक्ष्य केवल मुनाफा कमाना है। उनके भ्रष्टाचार की वजह से महंगाई बढ़ रही है। नौजवानों को सिर्फ बड़े-बड़े निवेश के सपने दिखाए गए। पढ़े-लिखे नौजवानों के हाथों में रोजगार नहीं है। सरकार से पूछो कि निवेश से कितने रोजगार के अवसर बने, तो आंकड़े नहीं बताते। यह संविधान से चलने वाले वाले लोग नहीं हैं। यह मन विधान से चलने वाले लोग हैं। हम लोग लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते हैं। संविधान हमारा रक्षक है। संविधान हमारी बुनियाद है। उसी बुनियाद को यह संस्थाओं के माध्यम से हिलाना चाहते हैं। उसको कमजोर करना चाहते हैं। हम पीडीए के लोग एकजुट होकर 2024 की तरह भाजपा का मुकाबला करेंगे और 2027 की विधानसभा में हराएंगे। उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाकर एक बार फिर विकास को गति देंगे।

जापान घूम आए, लेकिन कुछ नहीं सीखा

अखिलेश यादव ने सीएम योगी के जापान दौरे पर तंज कसा। कहा कि ये लोग जापान घूम आए, लेकिन वहां से भी कुछ नहीं सीखा। कम से कम जापान देखकर सरकार की आंखें तो खुल जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा लगता यह है कि जापान देखने के बाद आंखें बंद हो गई हैं। हमारे प्रदेश में एक खास वनस्पति हर जगह पकड़ी जा रही है। लगता तो प्रदेश में वनस्पति का कहीं रिसर्च सेंटर ना खुल जाए। पता ही नहीं चलता कि असल में है कि असर से है। क्योटो (गोरखपुर) का हाल आपने देखा ही होगा कि किस तरह वहां गोली चल रही है। मुख्यमंत्री की नगरी में उन्हीं के सांसद, उन्हीं के नेता सरकार पे और सरकार के सबसे करीब लोगों के ऊपर आरोप लगा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नागरिक देवो भवभ्रष्टाचार- मुक्त भारत की ओर एक निर्णायक यात्रा

इस अवधारणा के अंतर्गतसरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनता है,अधिकारी और कर्मचारी अपने रुतबे को त्यागकर सेवाभाव को अपनाते हैं, हर निर्णय में नागरिक के हित को सर्वोपरि रखा जाता हैयदि चपरासी से लेकर मंत्री तक हर व्यक्ति इस भावना को आत्मसात कर ले, तो भ्रष्टाचार का स्वतः ही अंत हो सकता है।व्यक्तिगत परिवर्तन से संस्थागत परिवर्तन तक पीएम ने अपने संबोधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही हमारा व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बन सकता है।यह विचार अत्यंत गहरा है। जब एक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होता है, तो उसका प्रभाव पूरे संस्थान पर पड़ता है।एक ईमानदार क्लर्क पूरी फाइल प्रक्रिया को पारदर्शी बना सकता है,एक जिम्मेदार अधिकारी पूरे विभाग की कार्यशैली बदल सकता हैएक संवेदनशील मंत्री नीति निर्माण को जनहितकारी बना सकता है,

(लेखक--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

- आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं,उसका स्थानीय सरकारी तहसील कार्यालय, नगर निगम,पुलिस स्टेशन, सरकारी अस्पताल ही सरकार का चेहरा होता है-समग्र विश्लेषण भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, सामाजिक विश्वास का हनन-नागरिक सर्वोपरि और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है अपने की ज़रूरतभ्रष्टाचार को जीरो टॉलरेंस क़रने,डेडलाइन बनाने के साथ -साथ शासकीय रुतबे को त्यागने, सेवा को अपनाने नागरिक देवो भव को जीवन का मूल मंत्र बनाने का संकल्प लेना ज़रूरी वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और संस्कृति का मूल मंत्र सदियों से अतिथि देवो भव रहा है, जिसने न केवल सामाजिक मूल्यों को आकार दिया,बल्कि भारत की वैश्विक पहचान भी स्थापित की।किंतु आज के परिवर्तित समय में यह आवश्यकता महसूस की जा रही है कि इस मंत्र को एक व्यापक और अधिक समकालीन रूप देते हुए नागरिक देवो भव के रूप में स्थापित किया जाए। यह केवल एक नारा नहीं,बल्कि शासन व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन का दर्शन है। जब तक शासन के केंद्र में नागरिक नहीं होगा,तब तक विकास की कोई भी परिकल्पना अधूरी ही रहेगी। यह मंत्र केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था के मूल चरित्र में आमूल-चूल परिवर्तन का आह्वान है। 2 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा कर्मयोगी साधना सप्ताह के दौरान दिया गया संदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।वर्तमान समय में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में 2047 का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है तब भ्रष्टाचार इस यात्रा का सबसे बड़ा अवरोध बनकर सामने आता है।इसलिए यह समय की मांग है कि जैसे नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समय सीमा 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई और लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया,वैसे ही भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए भी एक ठोस और समयबद्ध रणनीति अपनाई जाए। जिसकी मांग मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गृह मंत्री श्री अमित शाह जी से हर आर्टिकल के माध्यम से करते रहता हूं आज फिर इस आर्टिकल के माध्यम से निवेदन कर रहा हूं।भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं है,यह सामाजिक विश्वास का हनन है। यह उस तंत्र को खोखला करता है, जिसपर लोकतंत्र टिका होता है। विकसित भारत के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध यदि हम ईमानदारी से आत्ममंथन करें,तो पाएंगे कि भारत के विकास के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा भ्रष्टाचार है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं पहुंचाता, बल्कि सामाजिक विश्वास, प्रशासनिक पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करता है।भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है, जो व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती है। चाहे वह एक छोटे स्तर का कर्मचारी हो या उच्च पदस्थ अधिकारी जब तक काम निकालने की मानसिकता और जुगाड़ संस्कृति समाज में बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं।जब एक आम नागरिक सरकारी दफ्तर में जाता है,तो वह केवल एक सेवा की अपेक्षा नहीं करता,बल्कि वह न्याय,पारदर्शिता और सम्मान की भी उम्मीद करता है। यदि उसे वहां भ्रष्टाचार,उपेक्षा या अपमान का सामना करना पड़ता है,तो उसका विश्वास न केवल उस संस्था से,बल्कि पूरे शासन तंत्र से उठने लगता है।यही कारण है कि नागरिक देवो भव की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है,क्योंकि यह शासन के हर स्तर पर यह सुनिश्चित करती है कि नागरिक सर्वोपरि है और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है। साथियों बात अगर हम नागरिक देवो भव की संकल्पना को समझने की करें तो इसका का अर्थ है,हर नागरिक को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।यह सोच प्रशासन को पावर-सेंट्रिक से पीपल-सेंट्रिक बनाती है।इस अवधारणा के अंतर्गत-सरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनता है,अधिकारी और कर्मचारी अपने रुतबे को त्यागकर सेवाभाव को अपनाते हैं, हर निर्णय में नागरिक के हित को सर्वोपरि रखा जाता हैयदि चपरासी से लेकर मंत्री तक हर व्यक्ति इस भावना को आत्मसात कर ले, तो भ्रष्टाचार का स्वतः ही अंत हो सकता है।व्यक्तिगत परिवर्तन से संस्थागत परिवर्तन तक पीएम ने अपने संबोधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही हमारा व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बन सकता है।यह विचार अत्यंत गहरा है। जब एक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होता है, तो उसका प्रभाव पूरे संस्थान पर पड़ता है।एक ईमानदार क्लर्क पूरी फाइल प्रक्रिया को पारदर्शी बना सकता है,एक जिम्मेदार अधिकारी पूरे विभाग की कार्यशैली बदल सकता हैएक संवेदनशील मंत्री नीति निर्माण को जनहितकारी बना सकता है,इस प्रकार,इंडिविजुअल ट्रांसफॉर्मेशन ही इंस्टिट्यूशनल ट्रांसफॉर्मेशन का आधार बनता है।स्थानीय प्रशासन- सरकार का वास्तविक चेहरा आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं होता, बल्कि उसका स्थानीय सरकारी कार्यालय ही सरकार का चेहरा होता है।तहसील कार्यालय नगर निगम,पुलिस स्टेशन,सरकारी अस्पताल यही वे स्थान हैं, जहां नागरिक सीधे सरकार से जुड़ता है। यदि यहां का व्यवहार सकारात्मक, पारदर्शी और संवेदनशील होगा, तो लोकतंत्र में विश्वास स्वतः ही मजबूत होगा। लेकिन यदि यहां भ्रष्टाचार, देरी और असंवेदन शीलता होगी, तो जनता का विश्वास डगमगा जाएगा।कर्तव्य- प्रधान प्रशासन- अधिकार से अधिक जिम्मेदारीपीएम ने प्रशासनिक संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया, अधिकार से अधिक कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना।भारतीय संविधान भी यही सिखाता है कि अधिकार, कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।जब कोई अधिकारी हर निर्णय से पहले यह सोचता है कि-यह निर्णय जनता के लिए कितना लाभकारी है? इससे कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा?तो उसके निर्णय स्वतः ही अधिक प्रभावी और सटीक रूप से अति जनहितकारी बन जाते हैं। साथियों बात अगर हरशासकीय कर्मचारी द्वारा इस भाव की संकल्पना को समझने की करें तो,हम आज आवश्यकता है कि चपरासी से लेकर उच्चतम अधिकारी तक,संत्री से लेकर मंत्री तक,हर शासकीय कर्मचारी इस भावना को अपने भीतर आत्मसत करे। पद का अहंकार छोड़कर सेवा का भाव अपनाना ही इस परिवर्तन की कुंजी है। जब एक अधिकारी अपने पद को अधिकार के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।यह व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बनता है। यदि हर व्यक्ति यह सोचने लगे कि उसके एक निर्णय से कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा,तो वह निर्णय अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी होगा।

साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में भारत की करें तो, भारत एक आकांक्षी समाज के रूप में उभर रहा है, जहां हर नागरिक के अपने सपने हैं, अपने लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी केवल नागरिक की नहीं, बल्कि पूरे शासन तंत्र की भी है। जब सरकार और नागरिक के बीच विश्वास का संबंध मजबूत होता है, तभी विकास की गति तेज होती है।इसके लिए यह आवश्यक है कि प्रशासनिक व्यवस्था अधिकसंवेदनशील उत्तरदायी और पारदर्शी बने। नागरिक देवो भव का सिद्धांत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो शासन को नागरिक- केंद्रित बनाता है।इस संदर्भ में क्षमता निर्माण आयोग (कैपेसिटी बिल्डिंग कमिशन) और आईगोट मिशन कर्मयोगी जैसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं है,बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति का निर्माण करना है, जहां हर सरकारी कर्मचारी एक कर्मयोगी के रूप में कार्य करे। कर्मयोगी वह होता है,जो अपने कर्तव्य को पूजा मानता है और बिना किसी स्वार्थ के सेवा करता है। जब यह भावना प्रशासन में विकसित होती है,तो वह केवल कार्य निष्पादन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनती है।प्रशासनिक सुधारों के लिए यह भी आवश्यक है कि विभागों के बीच समन्वय और संवाद को बढ़ावा दिया जाए। अक्सर देखा जाता है कि विभिन्न विभागों के बीच संवादहीनता के कारण योजनाएं प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पातीं। इससे न केवल संसाधनों की बर्बादी होती है, बल्कि नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। यदि सभी विभाग एक साझा दृष्टिकोण और समझ के साथ कार्य करें, तो शासन अधिक प्रभावी और सटीक रूप से परिणामोन्मुखी बन सकता है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को जीरो टॉलरेंस की नीति को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है,बल्कि उन्हें प्रभावी रूप से लागू करना भी आवश्यक है।इसके लिए एक सशक्त निगरानी तंत्र, पारदर्शी प्रक्रिया और समयबद्ध कार्रवाई अनिवार्य है। यदि किसी भ्रष्टाचार के मामले की जांच वर्षों तक लंबित रहती है, तो यह न केवल न्याय में देरी है,बल्कि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा भी देता है।इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक मामले की जांच के लिए एक निश्चित समयसीमा तय की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए स्रोतों की करें तो,तकनीक का उपयोग भी भ्रष्टाचार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डिजिटल गवर्नेंस, ऑनलाइन सेवाएं,और पारदर्शी डेटा प्रणाली से न केवल प्रक्रियाएं सरल होती हैं, बल्कि मानव हस्तक्षेप भी कम होता है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावनाएं घटती हैं।

संपादकीय

कमजोर होता रुपया

पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के फलस्वरूप उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये का अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंचना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से मजबूत मुद्रा भंडार होने के बावजूद रुपये पर दबाव होना, देश के सामने कई तरह मुश्किलें पैदा कर सकता है। कहा जा रहा है कि भारत फिर 2013 जैसी स्थितियों से रूबरू है। लेकिन इस बार जहां मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, वहीं तमाम वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति 2013 के मुकाबले मजबूत है। दरअसल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक डॉलर को मजबूत निवेश के विकल्प के रूप में देखते हैं। इसीलिए वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकालकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश कर रहे हैं। जिससे डॉलर मजबूत हो रहा है और रूपये जैसी दूसरी मुद्राएं कमजोर हो रही हैं। इसकी एक वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी है। जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत जैसे विकासशील देशों की मुद्राओं पर पड़ता है। यही वजह है कि एशिया में बेहद कमजोर स्थिति वाली मुद्राओं में रुपये भी शामिल है। ऐसी स्थिति में हमारे निर्यात सस्ते और आयात महंगे होने से अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक हकीकत यह भी है कि ईरान व अमेरिका के बीच जारी युद्ध से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने व पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें बढ़ने से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है। इसकी एक विसंगति यह भी है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। जिसका प्रतिशत 85 फीसदी के करीब है। फलत- तेल कंपनियां अधिक डॉलर की मांग कर रही हैं,जिसका असर रूपये की सेहत पर भी पड़ रहा है। लेकिन पिछले एक साल में रुपये के मूल्य में दस फीसदी गिरावट और डॉलर के मुकाबले उसका सर्वकालिक निम्न स्तर तक पहुचना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना ही चाहिए। आशंका जतायी जा रही है कि यदि ईरान व अमेरिका का युद्ध और लंबा खिंचता है तो रूपये के मूल्य में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, अपनी तरफ से देश के केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक व रणनीतिक उपायों से रुपये की गिरावट को थमाने के प्रयास किए हैं, लेकिन उसका सीमित प्रभाव ही रहा है। भले ही भारत के पास सात सौ अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार हो, लेकिन उसका भी सीमित उपयोग ही रुपये के संरक्षण में हो सकता है। हालांकि, भारत के पास इतना विदेशी मुद्रा का भंडार है कि दस महीने के आयात को सहजता से संचालित किया जा सकता है। वास्तव में वैश्विक परिदृश्य में जारी उथल-पुथल से बाधित आर्थिकी और असुरक्षा के चलते डॉलर की बढ़ती मांग ने रूपये को कमजोर बनाया है। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से ही रुपये का गिरना संभल सकता है। केंद्रीय बैंक तेल कंपनियों के डॉलर के अतिरिक्त दबाव को कम करने को कदम उठा सकता है। एसबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि तेल कंपनियों के लिये अलग डॉलर विंडो बनाये जाने से रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम हो सकता है। हर दिन तेल कंपनियों को भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। यही मांग बाजार में रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना रही है। रिपोर्ट में एक सुझाव है कि इन कंपनियों के लिए अलग डॉलर विंडो बनाई जाए। अगर ऐसा होता है, तो बाजार में डॉलर की असली मांग और सप्लाई साफ दिखेगी। इससे रुपये पर अचानक पड़ने वाला दबाव कम भी हो सकता है। आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि रुपये को 'शॉक एब्जॉर्बर' बनाकर हर दबाव को झेलने के लिये छोड़ देने की नीति पर पुनर्विचार की जरूरत है।

निरंतर सीखना, क्षमता-आधारित शासन और कर्मयोगी दृष्टि

(लेखक - विनोद कुमार सिंह /ईएमएस)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा

बदलते वैश्विक परिदृश्य, तीव्र तकनीकी विकास और नागरिक अपेक्षाओं के विस्तार के इस दौर में शासन की प्रकृति भी तेजी से परिवर्तित हो रही है।ऐसे समय में मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रारंभ 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के व्यापक रूपांतरण का सशक्त संकेत है। यह पहल 'नागरिक देवो भव' की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा, संवेदना और दक्षता के नए मानक स्थापित करती है—जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न से जुड़ी हुई है।नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित यह सप्ताह मिशन कर्मयोगी के पाँच वर्ष पूर्ण होने का भी प्रतीक है।यह वह पड़ाव है जहाँ उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए भविष्य की दिशा तय की जा रही है।इस पहल का उद्देश्य केवल कौशल विकास नहीं, बल्कि एक ऐसी सिविल सेवा का निर्माण करना है,जो सक्षम, उत्तरदायी,पारदर्शी और पूर्णतः नागरिक-केंद्रित हो।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित 'विकसित भारत 2047' केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय दृष्टि है।यह एक ऐसे भारत की कल्पना करता है जो आत्मनिर्भर,समावेशी, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि शासन व्यवस्था भी उसी अनुरूप विकसित हो - जहाँ निर्णय त्वरित हों, सेवाएँ सुलभ हों और नागरिकों का विश्वास सर्वोपरि हो।इसी संदर्भ में प्रधान मंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा का यह कथन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भविष्य की सिविल सेवा के लिए 'निरंतर सीखना' अनिवार्य है।अब प्रशिक्षण एक बार का औपचारिक चरण नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया बन चुका है-जहाँ अधिकारी 'कहीं भी,कभी भी' सीख सकते हैं। द्वन्नहञ्ज जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को गति दे रहे हैं,जो लाखों कर्मियों को ज्ञान और कौशल से जोड़ रहे हैं।डॉ. मिश्रा ने शासन के नियम-आधारित ढाँचे से भूमिका-आधारित मॉडल की ओर संक्रमण को भी रेखांकित किया।यह बदलाव विकसित भारत की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशासन को अधिक लचीला,परिणामोन्मुख और नवाचार-प्रधान बनाता है। अब अधिकारी केवल नियमों के पालनकर्ता नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक और समाधान के निर्माता बन रहे हैं।क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने मिशन कर्मयोगी को ज्ञान,कौशल और मूल्यों के समन्वय का मॉडल बताया। वास्तव में 'कर्मयोगी' का अर्थ ही है-कर्तव्य को साधना के रूप में अपनाना। यही वह भावना है जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को वास्तविक धरातल पर उतार सकती है।कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सचिव रचना शाह द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस मिशन की व्यापकता को स्पष्ट करते हैं - iGOT प्लेटफॉर्म पर करोड़ों पंजीकरण और पाठ्यक्रम पूर्ण होना इस बात का संकेत है कि सीखने की यह संस्कृति अब जमीनी स्तर तक पहुँच रही है।यहाँ यह समझना आवश्यक है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब शासन की 'अंतिम मील डिलीवरी' मजबूत हो। योजनाएँ तभी सफल मानी जाएँगी जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।इसी उद्देश्य से 'कर्मयोगी क्षमता कनेक्ट' और 'कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम' जैसी पहलें जमीनी स्तर के कर्मचारियों को सशक्त बना रही हैं।सुब्रमण्यम रामदोराई ने जिस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती तकनीकों में दक्षता पर बल दिया, वह इस बात का संकेत है कि भविष्य का प्रशासन डिजिटल और डेटा-आधारित होगा। इसके साथ ही मानवीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।विकसित भारत केवल तकनीकी रूप से उन्नत नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों से समृद्ध भी होना चाहिए।

कर्मयोगी साधना सप्ताह का 'प्रौद्योगिकी, परंपरा और ठोस परिणाम' पर आधारित ढाँचा इस संतुलन को स्पष्ट करता है।यह आधुनिकता और परंपरा के समन्वय के माध्यम से स्थायी और प्रभावी शासन की दिशा में मार्ग प्रशस्त करता है।

आज जब विश्व अनेक चुनौतियों -जलवायु परिवर्तन,वैश्विक अस्थिरता और तीव्र शहरीकरण का सामना कर रहा है,तब भारत का यह मॉडल एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।निरंतर सीखने, नवाचार और सेवा-भाव के आधार पर निर्मित यह सिविल सेवा न केवल देश के भीतर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक नई पहचान बना सकती है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि 'कर्मयोगी साधना सप्ताह' केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है।यह पहल प्रशासनिक व्यवस्था में उस ऊर्जा और दृष्टि का संचार करती है, जो भारत को एक सक्षम,संवेदनशील और विश्व-स्तरीय राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी।यदि इस मिशन की भावना को सही रूप में आत्मसात किया गया, तो भारत की सिविल सेवा न केवल दक्षता और पारदर्शिता का प्रतीक बनेगी,बल्कि मानवीय संवेदना और सेवा-भाव का भी वैश्विक आदर्श प्रस्तुत करेगी,ऐसे में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के निर्माण में सिविल सेवा का नया प्रतिमान स्थापित करेगा ।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

चिंतन मनन

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अनन्त काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

विचार मंथन

ईरान ने सारी दुनिया को बताई अपनी ताकत

(लेखक- सनत जैन)

ईरान ने यूएई में स्थापित अमेजॉन का सर्विस डाटा सेंटर चेतावनी देने के दूसरे दिन ही उड़ा दिया। ईरान ने यह हमला ड्रोन से किया था, जो बिल्कुल सटीक था। इसमें कंपनी को काफी नुकसान हुआ। सरवर नष्ट हो जाने के कारण कंपनी की सारी सेवाएं प्रभावित हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में घोषणा कर चुके हैं कि वह युद्ध को खत्म करने जा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही जिस तरह से ईरान के ऊपर हमले हो रहे हैं उसको लेकर ईरान ने काफी आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। जहां-जहां पर अमेरिकी सेवाएं संचालित हो रही हैं वहां-वहां पर ईरान ड्रोन से हमले कर रहा है। ईरान की इस कार्यवाही से सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान का शाहिद नामक ड्रोन इस समय चर्चाओं में है। इस ड्रोन को लेकर सारी दुनिया के देशों में जिज्ञासा बनी हुई है। इसने वेब सेंटर में घुसकर जिस तरह से सटीक निशाने पर हमला किया वह आश्चर्यजनक था। ईरान अब खुलकर चेतावनी देकर जिस तरह से हमले कर रहा है उसके सामने अमेरिका और इजरायल का सुरक्षा तंत्र पूरी तरह से विफल साबित हो रहा है। सारी दुनिया के देशों में तेल संकट के साथ-साथ अब खाद्य संकट की भी चर्चा हो रही है। करीब 96 देश अभी तेल संकट से जूझ रहे हैं। जो खबरें आ रही हैं उसमें 125 से अधिक देशों में हार्मोज से जहाजों की आवाजाही में रुकावट से जो संकट पैदा हुआ है उससे अब तेल के साथ-साथ खाद्य संकट भी देखने को मिल रहा है। रही सही कसर जिस तरह से ईरान अमेरिकी कंपनियों पर हमला कर रहा है उससे खाड़ी देशों के साथ-साथ अन्य देशों को भी उसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिस तरह के समाचार आ रहे हैं उसमें 100 से अधिक देश अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण बुरी तरह से परेशान हैं। अमेरिका और इजरायल ने अपनी सभी शक्तियों का प्रदर्शन करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। बी-2 बंबर से सेकड़ों स्थानों पर हमला करके ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। अब ईरान खुलकर इसका बदला ले रहा है। ईरान के ड्रोन और मिसाइल जिस तरह से सटीक निशाना लगाकर खाडी के देशों में अमेरिका और इजरायल के सैन्य ठिकानों के साथ-साथ अब उनके महत्वपूर्ण कारोबार को नष्ट कर रहे हैं इसके कारण सारी दुनिया के देशों में एक नई दहशत फैल गई है। ईरान ने जिस तरह से अमेरिका के संचार माध्यमों को नष्ट किया है तथा जिस तरह से ईरान हमले करके तकनीकी आधार पर अमेरिका और इजरायल को धता बता रहा है उससे सारी दुनिया के देश हैरान हैं। ईरान की तकनीकी जिस तरह से इजरायल और अमेरिका का मुकाबला करते हुए जो ईरानी नवीन प्रयोग हो रहे हैं उससे सबसे ज्यादा परेशानी टेक कंपनियों को हो रही है। उनके सुरक्षित कंप्यूटर नेटवर्क को हैक करते हुए ईरान द्वारा हमले किए जा रहे हैं, जिसके कारण ईरान का दबदबा बढ़ता चला जा रहा है जिस तरह से ईरान ने अब सरवर और इंटरनेट के जरिए सेवाओं पर निशाना साधना शुरू कर दिया है उसके कारण सभी देशों की परेशानी बढ़ती चली जा रही है। वर्तमान में बैंकिंग एवं अन्य सेवाएं इंटरनेट से जुड़ी हुई हैं। एक बहुत बड़ा डाटा सर्वर से जुड़ा हुआ है। यदि उसमें कोई खराबी आती है तो करोड़ों लोगों पर इसका प्रभाव पड़ता है। ईरान ने पिछले एक माह में जिस तरह से इस युद्ध को लड़ा है उसने सारी दुनिया के देश हैरानी में हैं। ईरान के सस्ते ड्रोन और मिसाइलें अत्याधुनिक संचार माध्यमों से लैस स्थलों को जिस तरह से वह अपने निशाने पर लेकर नुकसान पहुंचा रहे हैं उसने पूरी दुनिया के युद्ध समीकरण को बदल दिया है। तकनीकी क्षेत्र में इजराइल और अमेरिका को चुनौती, ईरान द्वारा दी जा रही है। इसकी कल्पना भी इस युद्ध के पहले किसी देश ने नहीं की थी। पिछले एक माह में ईरान ने जिस तरह से वैश्विक राजनीति और सोच को परिवर्तित किया है उसके बाद ऐसा लगता है सारी दुनिया में अब नए समीकरण बनना शुरू हो गए हैं। इसमें अमेरिका अलग-अलग पड़ता चला जा रहा है। हार्मोज को खुलवाने के लिए भारत, फ्रांस, ब्रिटेन इत्यादि लगभग 45 देश जिस तरह से ईरान के साथ बात कर रहे हैं उससे एक बात स्पष्ट है भविष्य में अमेरिका का जो एकाधिकार था वह अब नहीं रहेगा। अमेरिका और इजरायल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहु के खिलाफ जनता सड़कों पर आ रही है, यूरोप और नाटो देश जिस तरह से अमेरिका

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना

– पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई

नई दिल्ली ।

भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22 मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ।

इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बजाज ऑटो की बिक्री मार्च में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,45,377 इकाई

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो लिमिटेड ने मार्च 2026 में कुल बिक्री 4,45,377 इकाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने 3,69,823 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि घरेलू बिक्री भी 2,66,290 इकाई तक बढ़ी। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 20 फीसदी बढ़कर 2,21,021 इकाई हुई, जबकि निर्यात 21 फीसदी बढ़कर 1,59,452 इकाई रहा। वाणिज्यिक वाहन भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए

कुल बिक्री में 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की, जो 64,904 इकाई तक पहुंची। घरेलू वाणिज्यिक बिक्री 45,269 इकाई और निर्यात 19,635 इकाई रही। कंपनी के मुताबिक, मजबूत मांग और निर्यात में तेजी से मार्च 2026 बजाज ऑटो के लिए बेहतर महीना साबित हुआ।

गुड फाइडे पर चांदी के भाव में 5,000 रुपये की गिरावट

– दिल्ली और दक्षिण भारत में कीमतों में अंतर

नई दिल्ली ।

गुड फाइडे के अवसर पर भारत के बुलियन मार्केट में शुक्रवार को चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, यूपी और मध्यप्रदेश में एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,49,100 रुपये पर रहा, जबकि दक्षिण भारत में यह 2,54,900 रुपये तक पहुंच गया। बाजार में क्षेत्रीय अंतर और मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, भोपाल, लखनऊ और चंडीगढ़ में 10 ग्राम चांदी का भाव 2,491 रुपये और 1 किलोग्राम 2,49,100 रुपये रहा। निवेशकों ने बताया कि पिछले दिन की तुलना में शुक्रवार को लगभग 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिली। दिल्ली के सर्राफा बाजार में एक दिन पहले चांदी का भाव 2,37,000 रुपये था, जो अब थोड़ा सुधारते हुए 2,49,100 रुपये तक आ गया। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी का भाव उत्तर भारत से अधिक रहा। यहां 10 ग्राम चांदी का भाव 2,549 रुपये और 1 किलोग्राम 2,54,900 रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि दक्षिण भारत में मांग और वितरण लागत के कारण यहां चांदी की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं। गुड फाइडे के चलते शुक्रवार को एमसीएक्स और शेयर बाजार दोनों बंद रहे। इस दौरान निवेशक और व्यापारी बाजार की गतिविधियों पर नजर रखेंगे और अगले खुलने वाले दिन के लिए रणनीति बनाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी का हाजिर भाव 69.57 डॉलर प्रति औंस है। इस साल जनवरी में चांदी की कीमत 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर चुकी थी। इसके बाद बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी सप्ताह में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजार की स्थितियां चांदी के रेट को प्रभावित करेंगी।

आरबीआई ने एमिरेट्स एनबीडी को आरबीएल में 74 फीसदी हिस्सेदारी की मंजूरी दी

– विदेशी निवेश से आरबीएल बैंक विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की अनुमति दे दी है। यह कदम बैंक को विदेशी बैंक के रूप में संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि आरबीआई ने यह मंजूरी 1 अप्रैल 2026 को दी थी, और इसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। अक्टूबर 2025 में ईएनबीडी ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव रखा था। मंजूरी के तहत, ईएनबीडी को बैंक की चुकता पूंजी का कम से कम 51 प्रतिशत* बनाए रखना होगा। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, बैंक को फुल स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के नियमों के अनुसार संचालित करना होगा। आरबीआई ने कहा कि निदेशक मंडल में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त लागू नहीं होगी। बैंक को अपने ओ र्टिकल्स आफ एसो सिएशन में आवश्यक संशोधन कर आरबीआई से मंजूरी लेनी होगी। वेशक के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों का 26 प्रतिशत

तक सीमित रखा जाएगा। 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त पर अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में शाखाओं का विलय या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। सके अलावा, इस प्रस्तावित निवेश को भारत सरकार फेमा, सेबी नियमों और अन्य लागू कानूनों के अनुपालन में पूरा करना होगा। जनवरी में, प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इस निवेश के बाद, आरबीएल बैंक अब विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत होगा और एमिरेट्स एनबीडी का बहुलांश स्वामित्व रहेगा, जो भारत में विदेशी निवेश और बैंकिंग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

भारत में डिजिटल पेमेंट क्रांति, यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड

– मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए

नई दिल्ली ।

भारत में डिजिटल पेमेंट का नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। मार्च 2026 में यूपीआई के माध्यम से कुल 22.64 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। पिछले साल मार्च 2025 में यह आंकड़ा 18.3 अरब था, जिससे सालाना आधार पर लगभग 24 फीसदी की वृद्धि हुई है। फरवरी 2026 में ट्रांजैक्शन की संख्या 20.39 अरब थी, जिससे स्पष्ट है कि हर महीने यूपीआई का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। यूपीआई की सफलता का मुख्य कारण इसकी सरलता और सुरक्षा है। यह आरबीआई के दो-स्तरीय सुरक्षा सिस्टम पर काम करता है, मोबाइल नंबर और यूपीआई पिन। इस डबल सुरक्षा उपाय के कारण ट्रांजैक्शन सुरक्षित रहते हैं और धोखाधड़ी का खतरा न्यूनतम होता है। यही कारण है कि लोग भरोसे के साथ कैशलेस भुगतान करना पसंद कर रहे हैं। ज भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन का लगभग 85 फीसदी हिस्सा यूपीआई के जरिए किया जाता है। वैश्विक स्तर पर रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स में इसका योगदान लगभग 50 फीसदी तक पहुंच गया है। यूपीआई अब केवल भारत तक सीमित नहीं रहा।

यह यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस जैसे देशों में भी उपलब्ध

है। विशेष रूप से फ्रांस में इसका लॉन्च यूरोप में पहला कदम माना जा रहा है। इससे विदेश में रहने वाले भारतीय आसानी से पैसे ट्रांसफर और भुगतान कर सकते हैं।

यूपीआई का संचालन नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) करता है

, जो आरबीआई और इं

डियन बैंक एसो सिएशन की पहल से संचालित है।

अमेरिका में पेटेंट दवाओं पर भारी टैरिफ का खतरा, ट्रंप का बड़ा फैसला

– समझौता न करने वाली फार्मा कंपनियों पर 100 फीसदी तक शुल्क संभव

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेटेंट दवाओं के आयात को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए नया कार्यकारी आदेश जारी किया है, जिससे वैश्विक फार्मा उद्योग में हलचल मच गई है। अमेरिका में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अहम कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस आदेश के तहत उन फार्मा कंपनियों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है, जो अमेरिकी सरकार के साथ ÷मोस्ट फेवर्ड नेशन÷ प्राइसिंग समझौता नहीं करेंगी। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, जो कंपनियां अमेरिका में पेटेंट दवाओं और उनके कच्चे माल का उत्पादन शुरू करेंगी और कीमत समझौते पर सहमत होंगी, उन्हें टैरिफ से छूट दी जाएगी। वहीं, जो कंपनियां उत्पादन तो शुरू करेंगी लेकिन समझौता नहीं करेंगी, उन पर शुरुआती 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो चार वर्षों में बढ़कर 100 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। कंपनियों को समझौते के लिए समय भी दिया गया है, बड़ी कंपनियों को 120 दिन और अन्य को 180 दिन। बताया गया है कि सरकार पहले ही कई बड़ी कंपनियों के साथ समझौते कर चुकी है। इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया गया है, क्योंकि सरकार का मानना है कि दवाओं के आयात पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम पैदा कर सकती है।

मार्च 2026 में बाजार की गिरावट के बीच आर्बिट्राज फंड ने दिखाया संतुलन

– निफ्टी, मिडकैप और स्मॉलकैप में भारी गिरावट के बावजूद आर्बिट्राज सेगमेंट रहा स्थिर

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 का महीना शेयर बाजार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते बाजार में व्यापक गिरावट देखने को मिली। इस उथल-पुथल के बीच आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने अपेक्षाकृत स्थिर प्रदर्शन किया, हालांकि निवेशकों की सतर्कता साफ नजर आई। रिपोर्ट के अनुसार निफ्टी 50 में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी करीब 10 प्रतिशत तक कमजोरी देखी गई। बाजार के लगभग सभी सेगमेंट इस दबाव से प्रभावित रहे। इसके बावजूद आर्बिट्राज फंड सेगमेंट ने संतुलन बनाए रखा। इस श्रेणी के फंड बाजार की दिशा पर दांव लगाने के बजाय कैश और फ्यूचर्स बाजार के बीच मूल्य अंतर का लाभ उठाते हैं, जिससे गिरावट के दौर में भी इनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एडेलवे सिस ओ बिंट्रेज फंड के डायरेक्ट प्लान ने 1 साल में 6.73 प्रतिशत और 3 साल में 7.72 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो इसकी स्थिरता को दर्शाता है। डेरिवेटिव डेटा भी मिश्रित संकेत देता है। सिंगल स्टॉक फ्यूचर्स में रोलओवर करीब 93 प्रतिशत रहा, जो बताता है कि

बड़े निवेशक बाजार में बने हुए हैं। हालांकि रोल स्प्रेड सीमित दायरे में रहे, जिससे कमाई के अवसर सीमित रहे। दूसरी ओर, अप्रैल सीरीज के लिए ओपन इंटरेस्ट में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कुल आर्बिट्राज निवेश घटकर लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये रह गया। विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने एक्सपोजर कम किया, जो घटती जोखिम लेने की क्षमता को दर्शाता है। कम वोलैटिलिटी के चलते आर्बिट्राज स्प्रेड भी सीमित रहे, जिससे रिटर्न पर दबाव बना। कुल मिलाकर, गिरते बाजार में आर्बिट्राज फंड ने स्थिरता तो दी, लेकिन ऊंचे रिटर्न की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकीं।

भारत के एलपीजी आयात में मार्च में तेज गिरावट, अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बना

- पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई

नई दिल्ली ।

भारत के एलपीजी (एलपीजी) आयात में मार्च 2026 में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार पिछले दो महीनों की तुलना में आयात में 40 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस कमी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी है। मार्च में भारत का कुल एलपीजी आयात लगभग 1.22 मिलियन टन रहा, जो जनवरी की तुलना में 46 फीसदी और फरवरी की तुलना में 40 फीसदी कम है। इस बीच, अमेरिका ने भारत को मार्च में सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई की, कुल 420 हजार टन। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने समान रूप से 226 हजार टन आपूर्ति की, जबकि सऊदी अरब 130 हजार टन और कुवैत 90 हजार टन योगदान दे सके। ईरान ने करीब सात साल बाद आपूर्ति फिर से शुरू की और 43 हजार टन भेजा। विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंत में ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव बढ़ने के बाद स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते समुद्री यातायात प्रभावित हुआ। इससे एलपीजी आपूर्ति पर असर पड़ा और आयात में कमी आई। ऊर्जा विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक आपूर्ति अस्थिर बनी रहती है, तो भारत को वैकल्पिक स्रोतों और रणनीतिक भंडारण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इससे किसी भी आपातकालीन स्थिति में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

बजाज ऑटो की बिक्री मार्च में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,45,377 इकाई

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो लिमिटेड ने मार्च 2026 में कुल बिक्री 4,45,377 इकाई दर्ज की, जो पिछले साल इसी महीने 3,69,823 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि घरेलू बिक्री भी 2,66,290 इकाई तक बढ़ी। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री मार्च में 20 फीसदी बढ़कर 2,21,021 इकाई हुई, जबकि निर्यात 21 फीसदी बढ़कर 1,59,452 इकाई रहा। वाणिज्यिक वाहन भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल बिक्री में 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की, जो 64,904 इकाई तक पहुंची। घरेलू वाणिज्यिक बिक्री 45,269 इकाई और निर्यात 19,635 इकाई रही। कंपनी के मुताबिक, मजबूत मांग और निर्यात में तेजी से मार्च 2026 बजाज ऑटो के लिए बेहतर महीना साबित हुआ।

हिंदुस्तान जिंक का खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन बढ़ा

- चांदी और पवन ऊर्जा में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन में वृद्धि दर्ज की है, जबकि चांदी और पवन ऊर्जा उत्पादन में थोड़ी गिरावट देखी गई। जनवरी से मार्च तक खनन धातु उत्पादन 3,15,000 टन यानी पिछले साल की इसी अवधि से 2 फीसदी अधिक रहा। परिष्कृत धातु उत्पादन 2,82,000 टन, जो 5 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। खनन धातु में कच्चे अयस्क से संकेंद्रित धातु तैयार की जाती है, जबकि परिष्कृत धातु 99 फीसदी से अधिक शुद्धता तक पहुंचती है। चौथी तिमाही में चांदी का उत्पादन 176 टन रहा, जो पिछले साल की तुलना में 0.2 फीसदी कम है। वहीं, पवन ऊर्जा उत्पादन 11 फीसदी घटकर 5.6 करोड़ यूनिट रह गया। एचजेडएल भारत में जस्ता बाजार में लगभग 75 फीसदी हिस्सेदारी रखती है और विश्व स्तर पर शीर्ष पांच चांदी उत्पादकों में शामिल है। कंपनी अपने उत्पादों को 40 से अधिक देशों में आपूर्ति करती है।

टायर कंपनियों पर बढ़ती लागत का दबाव, कीमतों में तेजी संभव

मुंबई ।

मार्च 2026 में कच्चे तेल और प्राकृतिक रबर की कीमतों में तेजी से टायर कंपनियों के लिए लागत बढ़ गई है। भारत की प्रमुख कंपनियां जैसे एमआरएफ, अपोलो, जेके टायर और सीएट टायर की कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार कर रही हैं। टायर बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमत में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमत से सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक और प्रोसेसिंग ऑयल 15 -40 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्राकृतिक रबर, जो टायर लागत का लगभग 40-45 फीसदी हिस्सा है, 18,500 से बढ़कर 21,600 रुपए प्रति 100 किलो हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि इस लागत वृद्धि से कंपनियों के मार्जिन पर लगभग 4 फीसदी तक असर पड़ सकता है। इसलिए कई कंपनियां अप्रैल 2026 से 2-5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। बाइक और स्कूटर के टायर 200-500 रुपए, कार के टायर 1,000-3,000 रुपए तक महंगे हो सकते हैं। ट्रक-बस और ट्रैक्टर टायर महंगे होने से ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत भी बढ़ सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला मुम्बई से

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का मुकाबला पांच बार की विजेता हार्दिक पांड्या की मुम्बई इंडियंस से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। इस मैच में दिल्ली को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर इसके बाद भी उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 37 मुकाबले हुए ई जिसमें से मुम्बई ने 21 जबकि दिल्ली ने 16 जीते हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला काफी कड़ा है, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स को थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि उसने 13 में से 7 मैच जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सत्र में दो मुकाबले हुए थे जो कि दोनों ही मुंबई इंडियंस ने जीतकर अपने नाम किए। इनके बीच हुए अंतिम मुकाबले की तो वो मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था जिसमें मुम्बई ने जीत दर्ज की।

दिल्ली की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल हैं। ऐसे में यहां अधिक स्कोर वाला मैच होने की संभावना है। छोटी बाउंड्री से भी रन अधिक बनने की संभावना है। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम अधिक लाफ में रहती है1 इस मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा अक्षर पटेल और डेविड मिलर पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश

कुमार के पास रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा के अलावा रयान रिकेलटन तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नीतीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, विपराज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार

मुम्बई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, मयंक मारकंडे, एएम गजनफर, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह

प्रधानमंत्री ने संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरुरत थी तब वह अच्छा प्रदर्शन कर भरोसे पर खरे उतरे। प्रधानमंत्री ने केरल दौरे से पहले सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैमसन का दबाव में भी शांत रहना सबसे बड़ी खूबी है। उनका आत्मविश्वास और जोश बड़े मुकाबलों के दौरान अपने शीर्ष स्तर पर था। यही एक एक सच्चे खिलाड़ी के सबसे विशेष गुण हैं। ऐसा खिलाड़ी उस समय और अच्छा प्रदर्शन करता है जब टीम को उसकी अधिक जरुरत रहती है।

प्रधानमंत्री ने सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा, आजकल आईपीएल चल रहा है। लोगों के लिए संजू के प्रदर्शन से सीखने लायक बहुत कुछ है। जैसा कि हमने सैमसन के प्रदर्शन में देखा है। विश्व कप में जैसे-जैसे टूर्नामेंट में मुश्किल हालात आए, नॉकआउट चरण आया, उनका प्रदर्शन अचानक से अपने बेहतरीन स्तर पर पहुंच गया। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, उनका आत्मविश्वास और उनका जोश लगातार बढ़ता गया। यही एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सैमसन ने विश्वकप की 5 पारियों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से कुल 321 रन बनाए। उन्होंने 27 चौके और 24 छक्के लगाए और टी20 विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। सैमसनअपने पहले दो मैचों में कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए थे पर इसके बाद भी वह निराश नहीं हुए , ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अहम मैच में उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलायी।

अंगक्रिश, उनादकट ऑरेंज व पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले उसके बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी औरेंज कैप की रैस में अब सबसे आगे हो गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज जयदेव उनादकट नंबर एक पर पहुंच गये हैं। 19वें सत्र में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले केकेआर के रघुवंशी ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन एक बार फिर दूसरे स्थान पर रहे। पर्पल कैप की बात करें तो सनराइजर्स के जयदेव उनादकट नंबर एक पर हैं।

अंगक्रिश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में 51 रनों की पारी खेलने के बाद दूसरे मैच में सराइजर्स के खिलाफ 52 रन बनाए। अब उनके नाम 2 मैचों में सबसे अधिक 103 रन हो गए हैं, जो उन्होंने 51.50 की औसत और 177.59 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं। वहीं ईशान किशन अपने दूसरे मैच में 14 रन ही बना पाए, जिस कारण से वह सूची में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। वहीं हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाकर शीर्ष 5 में स्थान बनाया। अब वह रोहित शर्मा और रायन रिकल्टेन के ऊपर तीसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के तेज गेंदबाज उनादकट ने केकेआर के खिलाफ 3 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की है। उनके नाम अब आईपीएल 2026 में कुल 4 विकेट हो गई है। वहीं कोलकाता के ब्लेसिंग मुजाराबानी के भी 4 विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के चलते उनादकट नंबर-1 पर हैं। पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष-5 गेंदबाजों में आरसीबी के जैकब डफी, दिल्ली कैपिटल्स के टी नटराजन और गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार शाम को गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेंगी। गुजरात की कप्तानी जहां शुभमन गिल के पास है। वहीं रॉयल्स की कमान युवा रियान पराग संभालेंगे। इस सत्र में गुजरान की टीम को जहां अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं रॉयल्स ने अपना पहले ही मैच जीता था। ऐसे में जहां गुजरात सत्र की पहले जीत दर्ज करने उतरेगी। वहीं राजस्थान अपनी जीत के सिलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। इन दोनों ही टीमों के बीच पिछले आईपीएल सीजन दो मुकाबले हुए थे जिसमें से एक गुजरात ने जबकि एक राजस्थान ने जीता था। इनके बीच अंतिम मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला गया था जिसमें राजस्थान रॉयल्स की टीम ने

जीत हासिल की थी।

वहीं यहां के मैदान की बात करें तो इसपर बड़े स्कोर बनते हैं और पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम लाभ में रहती है। यहां पिछले पांच में से तीन मुकाबले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों ने अबतक कुल 8 मैच खेले हैं। जिसमें से गुजरात टाइटंस ने 6 जबकि राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं।

गुजरात टाइटंस की बात करें तो टीम की बल्लेबजा कप्तान शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन, जोस बटलर राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान, कगिसो रबाडा के पास रहेगी। टीम के पास वाशिंग्टन सुंदर जैसा ऑलराउंडर भी है। वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स टीम की बात करें तो उसके पास कप्तान रियान के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के पास रहेगी। वैभव ने पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और ये सिलसिला वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जोफ्रा आर्चर संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

राजस्थान रॉयल्स : रयान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, बृजेश शर्मा।

रहाणे ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद अपने आलोचकों पर जमकर निशाना साधा है। रहाणे के अनुसार उनके खिलाफ अभियान चल रहा है और एक प्रकार का भ्रम फैलाया जा रहा है। रहाणे ने ये बात तब कही जब कम स्ट्राइक रेट को लेकर बीच पत्रकार वार्ता में उनसे सवाल किया गया। केकेआर को हैदराबाद के हाथों आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी बार हार मिली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने 226 रन बनाए जिसके सामने केकेआर की पूरी टीम 161 रनों पर ही सिमट गयी। रहाणे ने कहा, साल 2020 से अब तक का मेरा सबसे स्ट्राइक-रेट काफी अच्छा रहा है।

मुझे लगता है कि जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, वे शायद मेरा खेल नहीं देख रहे हैं। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है, वे मुझे खेलते हुए देखना पसंद नहीं करते। मुझे जितनी सफलता मिली है, मुझे लगता है कि वे मुझसे जलते हैं पर मैं इससे ज्यादा परेशान नहीं हूं। साथ ही कहा कि कभी-कभी एक बल्लेबाज के तौर पर आपको लय नहीं मिलती पर मैं एक अलग तरह की पारी खेलना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, उनके विरोधियों को उम्मीद नहीं थी कि रहाणे इतना बेहतर खेलेगा। इसलिए मुझे खुशी है कि वे मेरे बारे में बात कर रहे हैं, नेगेटिव या पॉजिटिव - जो भी हो, मैं सच में खुश हूं कि वे बात कर रहे हैं।

अभिषेक आईपीएल मे 100 छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे खिलाड़ी बने

कोलकाता । सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में अपनी पारी के दौरान चार छक्के लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अब अभिषेक आईपीएल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं ।वहीं पहले नंबर पर डेविड वार्नर हैं। अभिषेक के नाम अब 101 छक्के हैं जबकि वार्नर ने अब तक 143 छक्के लगाये हैं। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए 21 गेंदों पर 48 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने हैदराबाद की से अपना 100 छक्का लगाया। ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर वरुण चक्रवर्ती ने उनका कैच पकड़ा।

मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता : ललित मोदी

लंदन । आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है। ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है। प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है। जिससे प्रशंसक नाराज हैं। ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की

आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस भी की है। उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है।' वॉन के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैंने तुमसे कहा था कि संजीव जो लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक है उनके व्यवहार से मुझे शर्म आ रही है। मैंने आईपीएल प्रशंसकों और खिलाड़ियों दोनों के लिए बनाया था। ऐसा हर साल हर बार नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि आईपीएल नियमों में इसका नियम भी है जिससे बीसीसीआई को लागू करना चाहिये।' वहीं दूसरी ओर इस मामले को बढ़ता देख लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। वीडियो में बहसबाजी जैसी बात नहीं दिख रही है। संजीव, ऋषभ और सहायोगी स्टाफ के साथ हंसते हुए बातें करते हैं। फ्रैंचाइजी ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है।'

अभिषेक शर्मा ने मैच के दौरान किया अश्लील शब्दों का इस्तेमाल, एक डिमेरिट पॉइंट सहित लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा को गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) के खिलाफ मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग द्वारा पुष्टि की गई एक कार्रवाई के तहत एक डिमेरिट पॉइंट और मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

अभिषेक इस मैच में शानदार फॉर्म में लौटे और उन्होंने 21 गेंदों में 48 रन बनाए जिसमें 4 छक्के और 4 चौके शामिल थे। जहां मैच में उनके प्रदर्शन ने फैंस को रोमांचित कर दिया। वहीं उनके व्यवहार ने अधिकारियों को निराश कर दिया। IPL के आधिकारिक बयान में उस घटना का ठीक-ठीक जिक्र नहीं किया गया था, लेकिन इसमें बताया गया कि इस ओपनिंग बल्लेबाज ने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया है,

जो मैच के दौरान जोर से अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करने से संबंधित है।

अपने आधिकारिक बयान में IPL ने कहा, 'सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा पर गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान IPL की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। उन्होंने आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल 1 का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी की कार्रवाई को मान लिया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के मामलों में, मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।'

इस कार्रवाई का मतलब है कि शर्मा अपनी मैच की कमाई का एक चौथाई हिस्सा गंवा देंगे और अब उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जुड़ गया है। हालांकि IPL के अनुशासनात्मक ढांचे के भीतर लेवल 1 के अपराध सबसे कम गंभीर माने जाते हैं, लेकिन बार-बार उल्लंघन करने पर कड़ी सजा मिल सकती है, जिसमें निलंबन भी शामिल है।

KKR vs SRH मैच

हेनरिच क्लासेन (52) के जुझारू अर्धशतक और नीतिश कुमार रेड्डी (दो विकेट और 39 रन) के हरफनमौला खेल के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराकर मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोला। सनराइजर्स ने 8 विकेट पर 226 रन बनाने के बाद जयदेव उनादकट (21 रन पर तीन विकेट), इशान मलिंगा (14 रन पर दो विकेट) और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रेड्डी (17 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से केके आर की पारी को 16 ओवर में 161 रन पर समेट दिया।

एक दशक बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इसी साल सितंबर में जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम एक दशक के बाद जिम्बाब्वे जा रही है। इससे पहले वह साल 2014 में जिम्बाब्वे गयी थी। सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा। ये सभी मैच हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं इस दौरे को लेकर जिम्बाब्वे बोर्ड उत्साहित हैं। उसका मानना है कि इससे टीम को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी का अवसर मिलेगा। टी20 विश्कप के मेजबानों में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ जिम्बाब्वे, भी शामिल है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर गिवमोर माकोनी ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए एक अहम मोड़ पर आया है। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बेहद रोमांचक एकदिवसीय सीरीज होने की उम्मीद है। शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ मैच से ही हमारी टीम आगे बढ़ेगी। ये टीम के विकास के लिए भी बहुत जरूरी हैं। पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक आ रहा है, ऐसे में यह दौरा हमें अपनी तैयारियों को मजबूत करने का एक अच्छा अवसर देता है। हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, यह हमारे प्रशंसकों के लिए भी एक अच्छा अवसर है कि वे अपने घर पर ही विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आनंद उठा सकें। हमें उम्मीद है कि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हमें अपने प्रशंसकों का जोरदार समर्थन मिलेगा। हाल के दिनों में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कई बार टक्कर दी है। इसी साल फरवरी में हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम को 23 रनों से हराया था। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की 50 ओवरों की टीम को भी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सितंबर 2022 में टाउन्सविले में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया तीन विकेट से हार गयी थी। ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे दौरे पर सभी मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 15 सितंबर, दूसरा 18 सितंबर और तीसरा 20 सितंबर को खेला जाएगा।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

-टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा। धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है। साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब नमिंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

पीटरसन बोले, इस बार मुंबई इंडियंस सहित ये चार टीमें पहुंच सकती हैं प्लेऑफ में

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा है कि इस बार मुंबई इंडियंस , दिल्ली कैपिटल्स , राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं। पीटरसन पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर रहे हैं। उनका मानना है कि है ये सब टीमों के खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। पीटरसन ने सोशल मीडिया में लिखा, इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इन चारों ही टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की प्रबल संभावना है। हैरान की बात है कि पीटरसन ने इस सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को शामिल नहीं किया है जबकी आरसीबी गत सत्र की विजेता रही है। आरसीबी ने इस सत्र में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदारजीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। पीटरसन के अनुसार आरसीबी के मिडिल क्रम का फॉर्म और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के फिट नहीं होने के कारण वह उसे इस बार दावेदार नहीं मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, आरसीबी को लेकर मेरी चिंता उनके मध्य के ओवर और स्पिनर्स हैं और हेजलवुड की फिटनेस भी इसमें अहम है क्योंकिं अंत में गेंदबाज ही जीत दिलाते हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि इस बार जिस प्रकार से 200 से ज्यादा के लक्ष्य को भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। उससे साफ है कि इस सत्र में कोई भी लक्ष्य सुरक्षित नहीं है। उनके अनुसार टॉस बहुत ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने साथ ही कहा, इस सत्र की सबसे अजीब बात यह है कि बल्लेबाजों को यह नहीं पता कि पहली पारी में जीत के लिए उन्हें कितने रन बनाने होंगे। इसस खिलाड़ी के अनुसार 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स , तीन बार की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और 2016 की टाइटल विजेता सनराइजर्स हैदराबाद को बदलावों के साथ ही असाधारण खेल दिखाना होगा।

टाइगर वुड्स ने राइडर कप से नाम वापस लेने के साथ ही खेल से ब्रेक लिया, इलाज के लिए विदेश जाएंगे

न्यूयार्क । विश्व के नंबर एक दिग्गज रहे गोल्फर टाइगर वुड्स फिट नहीं होने के कारण राइडर कप गोल्फ टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। वुड्स ने खराब सेहत का हवाला देते हुए खेल से ब्रेक लेने की भी घोषणा कर दी है। वुड्स ने कहा है कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। वह पिछले कुछ समय से गोल्फ से जुड़ी गतिविधियों से दूर थे पर गुरुवार को उन्होंने औपचारिक रूप से राइडर कप की कप्तानी ठुकरा दी साथ ही कहा कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं। उन्हें अदालतन ने इलाज के लिए देश से बाहर जाने की अनुमति भी दे दी है। वुड्स को पिछले सप्ताह नशे में गाड़ी चलाने के संदेह के कारण गिरफ्तार किया गया था हालांकि कुछ घंटे बाद ही उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसी कारण उन्हें विदेश जाने से पहले अदालत से अनुमति लेनी पड़ी हैं। वुड्स ने एक बयान जारी कर कहा कि वह 'इलाज कराने और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए' अनिश्चित काल के लिए खेल से दूर जा रहे हैं। उनके वकील डगलस डंकन ने दायर एक याचिका में न्यायाधीश से वुड्स को उपचार के लिए विदेश जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि वुड्स को इलाज के लिए विदेश इसलिए जाना पड़ रहा है क्योंकि अमेरिका में उनके लिए अपनी निजता बनाये रखना संभव नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथाम:

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खी: मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथाम:

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथाम:

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथाम:

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

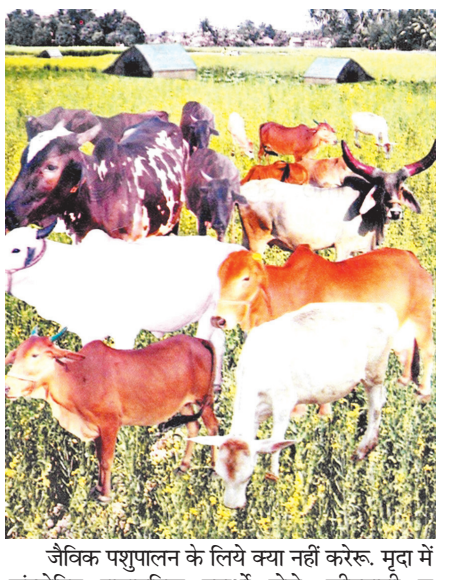

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक कांचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्दता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवे। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुन: सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना हेगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पतियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईरान युद्ध के बीच फिर दिखी भारत-रूस की पक्की दोस्ती, रूस से तेल आयात में 90 फीसदी का भारी उछाल

नई दिल्ली।

ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच छिड़े युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में कोहराम मचा दिया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही ठप होने से दुनिया के कई देशों में तेल और गैस का संकट गहरा गया है। मार्च 2026 के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। फरवरी की तुलना में मार्च में रूसी कच्चे तेल के आयात में 90 फीसदी की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब होर्मुज संकट के कारण मध्य पूर्व के देशों से भारत का कुल आयात करीब 15 फीसदी तक गिर गया है।

भारत भी इससे अछूता नहीं है, जहाँ एलपीजी और एलएनजी की किल्लत ने आम जनजीवन और उद्योगों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है।

हालांकि, इस भीषण संकट के बीच भारत के लिए राहत की बड़ी खबर आई है। भारत ने अपने पुराने और भरोसेमंद मित्र रूस के साथ तेल व्यापार में रिकॉर्ड बढ़ोतरी कर अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है।

गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ऊर्जा आपूर्ति का मुख्य केंद्र है और इसकी नाकेबंदी ने भारत की रसोई गैस और प्राकृतिक गैस आपूर्ति श्रृंखला को बुरी तरह प्रभावित किया है।

आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत के एलपीजी आयात में 40 फीसदी की कमी आई है, क्योंकि भारत अपनी 90 फीसदी एलपीजी इसी समुद्री मार्ग से मंगवाता है।

सबसे चौंकाने वाली गिरावट कतर से होने वाली एलएनजी आपूर्ति में देखी गई, जो 92 फीसदी तक गिर गई है। इसका मुख्य कारण कतर-एनर्जी द्वारा घोषित फोर्स मेज्योर और समुद्री मार्ग का बंद होना है।

देश के 33.2 करोड़ से अधिक रसोई गैस ग्राहकों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं।

फिलहाल व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति सीमित कर दी गई है और घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। भारत के लिए रूस से यह व्यापारिक बढ़त संभव हो पाई अमेरिका द्वारा घोषित 30 दिनों की विशेष छूट से। फरवरी तक रूस से खरीद काफी कम थी, लेकिन इस छूट के तहत समुद्र में मौजूद रूसी तेल टैंकरों को खरीदने की अनुमति मिलते ही भारत ने इसका भरपूर लाभ उठाया।

साथ ही, भारत अब विकल्प के तौर पर अंगोला, गैबॉन और

कांगो जैसे देशों से भी तेल मंगवा रहा है। सऊदी अरब और यूएई की पाइपलाइनें, जो होर्मुज को बायपास करती हैं, भारत के लिए लाइफलाइन साबित हो रही हैं। आने वाले दिनों में वेनेजुएला और ईरान से भी तेल आयात की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं, ताकि भविष्य के जोखिमों को कम किया जा सके।

बिहार में फिर जहरीली शराब पीने से चार की मौत, 15 की हालत गंभीर

6 की आंखों की रोशनी गई, चौकीदार गिरफ्तार, एसएचओ को किया सस्पेंड

मोतिहारी ।

बिहार में फिर जहरीली शराब से मौत हुई है। मोतिहारी में जहरीली शराब ने 4 लोगों की जान ले ली, जबकि 15 की हालत गंभीर है। इनमें से 6 की आंखों की रोशनी चली गई है। सभी का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। बीमार लोगों में से 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव से शुरू हुआ और अब आसपास के इलाकों में फैल गया। शुक्रवार को इलाज के दौरान परीक्षण मांझी (46) और हीरालाल भगत की मौत हो गई। जबकि पहली मौत गुरुवार सुबह और दूसरी रात को हुई। शराबकांड पर एसपी ने कार्रवाई की है। तुरकौलिया एसएचओ को सस्पेंड किया गया है, जबकि चौकीदार भरत राय को गिरफ्तार कर लिया है। तुरकौलिया और रघुनाथपुर थाने में मामले को लेकर हत्या का केस दर्ज कराया गया है। ये केस मृतक प्रमोद यादव और हीरालाल भगत के परिवार की शिकायत पर दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बुधवार शाम लोगों ने शराब पी, जिसके बाद तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। पुलिस के मुताबिक गुरुवार सुबह तुरकौलिया थाना क्षेत्र के पुलवा घाट निवासी चंदू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों ने बिना किसी को सूचना दिए जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। शराब से मौत का खुलासा तब हुआ जब रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा निवासी लोहा ठाकुर की तबीयत बिगड़ी और उनकी आंखों की रोशनी कम होने लगी। परिजन उन्हें इलाज के लिए नर्सिंग होम ले गए, जहां लोहा ठाकुर ने बताया कि उन्होंने शराब पी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आए। शराब पीने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इसी दौरान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया पंचायत के परसौना गांव निवासी प्रमोद यादव, जो पहले से बीमार थे, की इलाज के दौरान मौत हो गई।

चंडीगढ़ में बीजेपी कार्यालय पर हमला, अमन और गुरतेज गिरफ्तार

दोनों को मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर पकड़ा, पाक से हो सकता है कनेक्शन

चंडीगढ़ ।

चंडीगढ़ में बीजेपी मुख्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले के मामले में पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रूपनगर जिले से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोरिंडा क्षेत्र के गांव रत्नगढ़ निवासी अमन सिंह और गुरतेज सिंह के रूप में हुई है।

सूत्रों के मुताबिक दोनों आरोपियों को मोबाइल लोकेशन के आधार पर ट्रेस कर पकड़ा। पुलिस उनसे गहन पूछताछ कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में रूपनगर के एसएसपी ने बताया कि जांच अभी जारी है और सभी पहलुओं पर बारीकी से काम किया जा रहा है। पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रही है। वहीं जांच में इस हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक हमले में इस्तेमाल किया गया हैं।

ग्रेनेड कथित तौर पर पाकिस्तान निर्मित है, जिसे सीमा पार से भेजे जाने की संभावना है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हैं, ताकि किसी बड़े खतरे को रोका जा सके।

स्वदेशी परमाणु-संचालित पनडुब्बी, आईएनएस अरिदमन नौसेना में जल्द होगी शामिल

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट में इसके लॉन्चिंग के दिए संकेत

नई दिल्ली ।

भारत अपनी समुद्री सीमा की सुरक्षा और परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट के जरिए भारत की तीसरी स्वदेशी परमाणु-संचालित पनडुब्बी, आईएनएस अरिदमन के जल्द ही नौसेना में शामिल होने का संकेत दिया है। उन्होंने लिखा- यह सिर्फ एक शब्द नहीं है, इसका मतलब है शक्ति-अरिदमन!

जानकारी के मुताबिक लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता से लैस, अरिदमन से भारत की समुद्री-आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह देश के परमाणु सिद्धांत के अनुरूप, इसकी मारक क्षमता और जीवित रहने की क्षमता-दोनों को बढ़ाएगी।

यह घोषणा उनके विशाखापत्तनम दौरे के साथ हुई, जहां वे आज स्वदेशी रूप से निर्मित उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट तारागिरी को नौसेना में शामिल करने वाले हैं। विशाखापत्तनम जो भारत की परमाणु पनडुब्बियों का घर है, उनके निर्माण केंद्र और वर्तमान होम पोर्ट- दोनों के रूप में कार्य करता है।

आईएनएस अरिदमन ने अपने समुद्री परीक्षणों का अंतिम चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और अब यह स्ट्रेटेजिक फोर्सेज कमांड में शामिल होने के लिए तैयार है। यह अपनी पूर्ववर्ती पनडुब्बियों आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात के नक्शेकदम पर चलेगी।

करीब 7,000 टन विस्थापन वाली अरिदमन, अपनी श्रेणी की पिछली पनडुब्बियों की तुलना में थोड़ी बड़ी है।

इसमें बेहतर स्टील्थ और ध्वनिक प्रदर्शन के लिए अधिक सुव्यवस्थित ढांचा है। यह पनडुब्बी भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा विकसित एक उन्नत 83 एमडब्ल्यु प्रेशराइज्ड वॉटर रिएक्टर द्वारा संचालित है।

रिपोर्ट के मुताबिक अपनी

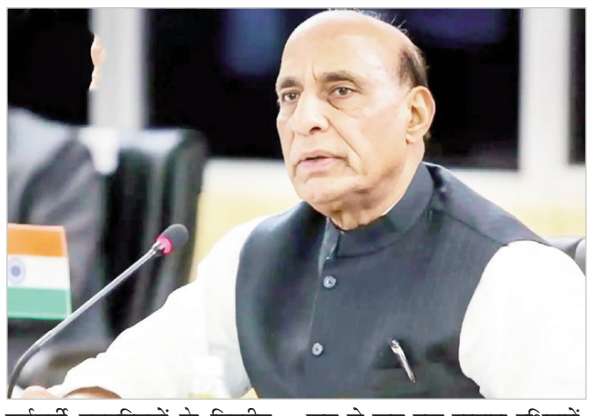

पूर्ववर्ती पनडुब्बियों के विपरीत, अरिदमन आठ ऊर्ध्वाधर लॉन्च ट्यूबों से लैस है जो आईएनएस अरिहंत की क्षमता से दोगुनी है।

यह इसे 3,500 किमी की मारक क्षमता वाली आठ के-4 लंबी दूरी की मिसाइलें, या 750 किमी की मारक क्षमता वाली 24 के-15 मिसाइलें ले जाने में सक्षम बनाती है।

इसके शामिल होने से भारत समुद्र में निरंतर प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने में सक्षम होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हर समय कम से कम एक परमाणु-हथियारों से लैस पनडुब्बी गश्त पर रहे।

पिछले साल की शुरुआत में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने भी कहा था कि आईएनएस अरिदमन को अप्रैल और मई के बीच नौसेना में शामिल किया जाएगा।

दिसंबर 2025 में वार्षिक प्री-नेवी डे कार्यक्रम में बोलते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने पुष्टि की थी कि यह उन्नत पनडुब्बी अब अपने परीक्षणों के अंतिम चरण में प्रवेश कर चुकी है।

न्यायिक अधिकारी बंधक मामले में मुख्य आरोपी एयरपोर्ट से गिरफ्तार, 35 लोगों को भी पकड़ा

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु जाने की फिराक में था। इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में एआईएमआईएम का उम्मीदवार रह चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया था। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के बीडीओ ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षा बलों की मौजूदगी में उन्हें बाहर निकाला गया। उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद चुनाव आयोग ने इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी है। एक टीम मालदा पहुंच चुकी है। मालदा बंधक मामले की जांच एनआईए की डीआईजी सोनिया सिंह कर रही हैं। वह सुबह करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचीं, जिसके बाद सीधे मालदा के लिए रवाना हो गईं। वह कलियाचक थाने भी जा सकती हैं और घटनास्थल का दौरा भी कर सकती है। वहां से सैंपल इकट्ठा किए जा सकते हैं। इसके अलावा 7 न्यायिक अधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। शुरुआती जांच के बाद ही एनआईए इस मामले में केस दर्ज करेगी।

जोधपुर नगर निगम का कारनामा, मृत और रिटायर्ड लोगों की ड्यूटी जनगणना में लगाई

जोधपुर ।

27 मार्च को कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी और निगम कमिश्नर ने 2084 लोगों की सूची जारी की। इसमें जनगणना के लिए ड्यूटी लगाई गई। इस सूची में जिन लोगों का निधन हो चुका है या जो रिटायर हो चुके हैं, उनके नाम भी शामिल हैं। सूची में एक नाम अब्दुल वाहिद है। उनका जोधपुर के लाला लाजपत राय कॉलोनी में घर है उनकी पत्नी नसीम बानो ने बताया कि 10 मई 2024 को पति अब्दुल वाहिद का निधन हो चुका है। वे जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी में यूडीसी थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नसीम बानो ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी कैसे एक मृत व्यक्ति की ड्यूटी लगा सकते हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि 15 मई 2024 को नगर निगम की ओर से ही मृत्यु प्रमाण-पत्र भी

जारी किया जा चुका है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी की पेंशनर्स कमेटी के संयोजक अशोक व्यास ने बताया कि वह अगस्त 2024 में विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त हो गया था। इसके बावजूद उनकी ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई। उन्होंने कहा कि वह नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों से पूछना चाहेंगे कि किस अधिकार से उन्होंने उनकी ड्यूटी लगाई। ऐसा लगता है कि उन्होंने आंखें बंद कर ड्यूटी लगा दी है।जोधपुर की रामापीर कॉलोनी में दीपक अवस्थी का मकान है। दीपक जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में यूडीसी थे। उनका निधन 13 फरवरी 2026 को हो गया था। उनका भी सूची में नाम है। दीपक अवस्थी के दोस्त और साथी कर्मचारी रहे अशोक व्यास ने बताया कि दीपक अवस्थी के निधन का शोक संदेश भी छपवाया गया था। उसके बावजूद उनकी ड्यूटी लगा देना नगर निगम की लापरवाही है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

होर्मुज मार्ग खुलवाने 60 देशों की बैठक, भारत ने दिखाई ताकत, कहा- हमने अपने नाविकों को खोया

नई दिल्ली ।

रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने और इसे अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में वैश्विक स्तर पर बड़ी कूटनीतिक पहल शुरू हुई है। ब्रिटेन द्वारा बुलाई गई इस ऑनलाइन बैठक में 60 से अधिक देशों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में नौवहन की स्वतंत्रता और बिना किसी बाधा के आवागमन के सिद्धांतों को सर्वोपरि बताया। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि होर्मुज क्षेत्र में जारी संकट का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा और गंभीर असर पड़ रहा है। भारत के लिए यह विषय इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में नाविकों को खोने वाला भारत अब तक का एकमात्र देश है।

भारत ने स्पष्ट किया कि इस संकट का स्थायी समाधान केवल तनाव को कम करने और सभी संबंधित पक्षों के बीच कूटनीति व संवाद के रास्ते पर लौटने में ही निहित है।

ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय बैठक में भारत ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस बैठक के लिए ब्रिटेन की ओर से विशेष निमंत्रण प्राप्त हुआ था, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने किया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की पूर्व घोषणा के अनुरूप आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य उन रास्तों की तलाश करना है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित रूप से दोबारा खोला जा सके। बैठक की अध्यक्षता करते हुए यवेट कूपर ने ईरान की कड़ी

आलोचना की और वर्तमान स्थिति को वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान की लापरवाही ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डाल दिया है।

आंकड़ों के अनुसार, इस रणनीतिक समुद्री मार्ग में अब तक 25 से अधिक जहाजों को निशाना बनाया जा चुका है, जिसके कारण लगभग 2,000 जहाजों पर सवार 20,000 नाविक फंसे हुए हैं। इस अवरोध से न केवल एशिया के लिए लिक्विड नेचुरल गैस और अफ्रीका के लिए खाद की आपूर्ति प्रभावित हुई है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए जेट फ्यूल का संकट भी खड़ा हो गया है।

ऊर्जा को लेकर प्रभावित सेक्टरों से बात करेगी सरकार, बड़े बदलाव पर करेगी विचार

नई दिल्ली ।

जंग के असर से राहत के लिए सरकार प्रभावित सेक्टर्स से अगले दो दिनों में बातचीत कर उनकी दिक्कतें जान सकती है। खासकर ऊर्जा के मामले में सरकार बहुत बड़े बदलाव पर विचार कर सकती है ताकि आगे ऐसे किसी हालात में भारत पर कम असर हो। सूत्र के मुताबिक जंग के बीच बनी इंटर मिनिस्ट्री कमेटी प्रभावित सेक्टर्स से बात करेगी। अगर जंग अब रुकती भी है तो सप्लाई चेन जिस तरह से बाधित हुई है, उससे इसका असर देर तक रहने की आशंका बताई जा रही है। सरकार इससे ज्यादा चिंतित है। पीएमओ ने कहा है कि इस मौके का इस्तेमाल भविष्य के लिए बेहतर रास्ता तलाशने में हो। सरकार ने पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक पूरी कस्टम ड्यूटी छूट देने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सरकार के मुताबिक इस छूट का फायदा उन कई सेक्टर्स को मिलने की उम्मीद है जो पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर हैं, जैसे प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स। सरकार का कहना है कि इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलने की उम्मीद है। इस सूची में शामिल प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादों में एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, मेथनॉल (मेथाइल अल्कोहल), आइसोप्रोपिल अल्कोहल, मोनोएथिलीन ग्लाइकोल (एमईजी) और फिनोल आदि शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा था कि देश पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुए किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तैयार है। केरल के तिरुवनंतपुरम में एक सैनिक सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना के जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले देश के टैंकरों की सुरक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान की ओर से कोई दुस्साहस किया गया, तो भारत की प्रतिक्रिया अभूतपूर्व और निर्णायक होगी।

भारत-पाक वार्ता: तनाव के बीच कतर में हुई बैठक, ट्रैक-2 रणनीति ला रही है बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

भारत और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक राजनयिक संबंधों में भले ही लंबे समय से बर्फ जमी हो, लेकिन पर्दे के पीछे ट्रैक-2 कूटनीति का चैनल पूरी तरह सक्रिय है। फरवरी 2026 में दोहा (कतर) में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच हुई गुप्त और अनौपचारिक बैठक ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब आधिकारिक संवाद के रास्ते बंद होते हैं, तो अनौपचारिक मंच ही उम्मीद की किरण बनते हैं। हाल ही में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में किए गए हमले के बाद उपजी भारी तल्खी के बावजूद, दोहा की यह बातचीत निरंतरता का संकेत है।

दरअसल, ट्रैक-2 कूटनीति वह माध्यम है जिसमें पूर्व अधिकारी, पत्रकार, बुद्धिजीवी और व्यापारिक नेता शामिल होते हैं। यह राजनीति और मीडिया की चकाचौंध से दूर एक ऐसा मंच है जहाँ बिना किसी आधिकारिक पुष्टि या प्रेस विज्ञप्ति के संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की जाती है। भारत और पाकिस्तान के बीच यह सिलसिला दशकों पुराना है।

अतीत में नीमराणा संवाद इसका प्रमुख उदाहरण रहा है। जब सरकारी स्तर पर यानी ट्रैक-1 वार्ताएं विफल हो जाती हैं, तो ये अनौपचारिक बैठकें भविष्य के समझौतों की जमीन तैयार करती हैं।

भारत की इस बैक-चैनल कूटनीति के परिणाम केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं हैं।

चीन के साथ 2020 की गलवान झड़प के बाद जब संबंध पूरी तरह टूट चुके थे, तब ट्रैक-2 वार्ताओं ने ही संवाद की डोर थामे रखी।

इसी का नतीजा था कि अक्टूबर 2025 में पांच साल बाद सीधी उड़ानें फिर से शुरू हुईं और सीमा पार व्यापार बहाल हुआ।

अब 2026 में ब्रिक्स सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति के भारत दौरे की संभावना भी इसी पर्दे के पीछे की मेहनत का फल मानी जा रही है।

इतना ही नहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता से लेकर कनाडा के साथ बिगड़े संबंधों को सुधारने तक में भारत ने ट्रैक-1.5 और ट्रैक-2 का बखूबी इस्तेमाल किया है।

कनाडा के साथ हरदीप सिंह निज्जर मामले में पैदा हुए विवाद के बाद, जून 2025 की जी-7 बैठक और फिर 2026 की शुरुआत में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा ने संबंधों को

वापस पटरी पर ला दिया है।

अब दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लिए व्यापक आर्थिक समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। स्पष्ट है कि वैश्विक कूटनीति के कठिन दौर में भारत की यह साईलेंट डिप्लोमेसी राष्ट्रीय हितों को साधने में एक अमोघ अस्त्र साबित हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में आईईडी धमाका, चार पुलिसकर्मियों समेत नौ लोग घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बड़ा धमाका हुआ है, जिसमें चार पुलिसकर्मियों समेत कुल नौ लोग घायल हो गए। यह घटना लक्की मरवत जिले के सेराई नौरंग इलाके में एक व्यस्त सड़क पर हुई। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गश्ती टीम को निशाना बनाया था। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने एक मोटरसाइकिल में आइईडी फिट कर रखा था। जैसे ही पुलिस की गाड़ी वहां से गुजरी, धमाका कर दिया गया। इस विस्फोट में पुलिस की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। पुलिस ने इस हमले को कायराना बताया है और कहा है कि ऐसे हमलों से सुरक्षा बलों का मनोबल नहीं टूटेगा। अधिकारियों ने यह भी कहा कि आतंकियों के मंसूबों को नाकाम करने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सिंगापुर में सिंगर जुबीन गर्ग की मौत, पुलिस ने बताई वजह

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर पुलिस ने भारतीय गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच पूरी कर ली है और साफ किया है कि इसमें किसी भी तरह की साजिश या गड़बड़ी नहीं थी। जांच के अनुसार, उनकी मौत दुर्घटनावश डूबने से हुई थी। पुलिस के मुताबिक, जुबीन गर्ग सितंबर 2025 में एक यॉट ट्रिप पर गए थे। उन्होंने पहले लाइफ जैकेट पहनकर पानी में तैराकी की, लेकिन बाद में उसे उतार दिया। दूसरी बार जब वे पानी में उतरे, तो अकेले और बिना लाइफ जैकेट के तैरने लगे। इसी दौरान वे अचानक बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत बचाकर यॉट पर लाया गया और सीपीआर दिया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के बाद उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी डूबने को ही मौत का कारण बताया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि उनके खून में अल्कोहल की मात्रा ज्यादा थी, जिससे उनकी स्थिति और खराब हो सकती थी। पुलिस ने कहा कि यह पूरी तरह एक हादसा था। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना भी जताई है।

जजीरा एयरवेज ने भारत के चार नए शहरों के लिए शुरू की उड़ानें

कुवैत सिटी, एजेंसी। कुवैत की एयरलाइन जजीरा एयरवेज ने भारत में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए चार नए शहरों, कोझिकोड, तिरुचिरापल्ली, मंगलूरू और कन्नूर, को जोड़ा है। इस विस्तार के बाद अब एयरलाइन भारत के कुल 12 शहरों के लिए उड़ानें संचालित कर रही है और हर हफ्ते 49 फ्लाइट्स चला रही है। यह पहल 'प्रोजेक्ट वंदे भारत' के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य कुवैत में रहने वाले भारतीयों को बेहतर यात्रा सुविधा देना है। इससे पहले एयरलाइन अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य शहरों के लिए उड़ानें चला रही थी। कंपनी के सीईओ ने कहा कि भारत उनका महत्वपूर्ण बाजार है और वे भारतीय समुदाय को बेहतर कनेक्टिविटी देना चाहते हैं। नए रूट्स से खासकर दक्षिण भारत के यात्रियों को अपने घर तक पहुंचने में आसानी होगी। यह विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब अंतरराष्ट्रीय यात्रा में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इससे न केवल यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि व्यापार और कार्गो सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी।

नेपाल ने कुवैत से 318 नागरिकों को निकाला, नौ शव भी लाए गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने एक बड़े राहत अभियान के तहत कुवैत में फंसे अपने 318 नागरिकों को सुरक्षित वापस देश लाया है। इसके साथ ही नौ प्रवासी मजदूरों के शव भी नेपाल लाए गए। यह अभियान बुधवार रात को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। सरकार ने इसके लिए एक विशेष चार्टर्ड विमान का इस्तेमाल किया, जो कुवैत एयरवेज का बोइंग 777-300 था। यह विमान भैरहवा स्थित गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग कई कारणों से कुवैत में फंसे हुए थे और उन्हें वापस लाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही थी। इस ऑपरेशन के जरिए न केवल जीवित नागरिकों को सुरक्षित घर पहुंचाया गया, बल्कि मृतकों के शव भी उनके परिवारों तक पहुंचाए गए। सरकार ने इस मिशन को मानवीय दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण बताया है। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी विदेशों में फंसे नागरिकों की मदद के लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे, ताकि किसी भी नेपाली नागरिक को मुश्किल हालात में अकेला न छोड़ा जाए।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने लोगों से युद्ध पीड़ितों के सम्मान में पौधे लगाने का किया आग्रह

तेहरान , एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों से अपील की है कि वे अमेरिका-इज़राइल हमलों में मारे गए लोगों की स्मृति में पौधे लगाएं और इसे समृद्धि, आशा और 'दुश्मनों' के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया का प्रतीक बनाएं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि उन्होंने ये बातें दिए गए एक संदेश में कहीं, जो इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की स्थापना की 47वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में था। साथ ही यह पारंपरिक अवसर 'सिज़दाह बेदार' या 'नेचर डे' से पहले दिया गया, जो नवरोज़ त्योहार के समापन का प्रतीक है और 2 अप्रैल को मनाया जाता है। खामेनेई ने अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ संघर्ष में ईरानी जनता की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि 'निर्दयी दुश्मन' अपनी क्रूरता में कोई सीमा नहीं जानते और उन्होंने अपने हमलों में ईरान की प्रकृति और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया है।

उन्होंने सभी ईरानी शहरों और गांवों के लोगों से अपील की कि वे संबंधित सरकारी संस्थानों के सहयोग से नेचर डे से लेकर वसंत ऋतु के अंत (21 जून) तक पौधे लगाने का अभियान जारी रखें। 28 फरवरी को इज़रायल और अमेरिका ने तेहरान और ईरान के कई अन्य शहरों पर संयुक्त हमले किए थे, जिसमें ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई सहित वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने इज़राइल

और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की श्रृंखला शुरू की। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरानी जनता अमेरिकी लोगों के प्रति कोई दुश्मनी नहीं रखती है जबकि उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर ईरान के खिलाफ 'इज़राइल के प्रॉक्सी' के रूप में लड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने ये टिप्पणियां अमेरिकी जनता को संबोधित एक पत्र में कीं, जिसमें उन्होंने अमेरिका और इज़रायल के साथ चल रहे युद्ध को लेकर ईरान के रुख को विस्तार से बताया। पेज़ेशकियन ने कहा, 'ईरानी लोग अमेरिका, यूरोप या पड़ोसी देशों के लोगों सहित किसी भी अन्य राष्ट्र के प्रति दुश्मनी नहीं रखते।' उन्होंने कहा, 'अपने गौरवशाली इतिहास के दौरान बार-बार विदेशी हस्तक्षेप और दबावों का सामना करने के बावजूद ईरानियों ने हमेशा सरकारों और उनके लोगों के बीच स्पष्ट अंतर किया है।' पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरान ने 'अपने आधुनिक इतिहास में कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या प्रभुत्व का रास्ता नहीं चुना,' जबकि उसे वैश्विक शक्तियों द्वारा कब्जे, आक्रमण और दबाव का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि ईरान को खतरे के रूप में प्रस्तुत करना इज़रायल द्वारा गढ़ी गई कहानी है, जिसका उद्देश्य 'फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने अपराधों से वैश्विक ध्यान हटाना' है। पेज़ेशकियन ने ईरान के आसपास अमेरिकी सैन्य जमावड़े और ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि इन ठिकानों से शुरू हुई अमेरिकी 'आक्रामकताएं' यह दिखाती हैं कि ऐसी सैन्य मौजूदगी कितनी खतरनाक हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आने वाले दिनों में ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले की धमकी के जवाब में उन्होंने कहा कि देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कदम 'युद्ध अपराध' हैं और इनके प्रभाव ईरान की सीमाओं से बाहर तक जाएंगे। उन्होंने सवाल किया, 'क्या 'अमेरिका फर्स्ट' वास्तव में आज अमेरिकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है? उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय 'एक चौराहे पर खड़ी है,' जहां उसे टकराव और संवाद के बीच चयन करना होगा।

अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति पर से प्रतिबंध हटाए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह फैसला अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओर से लिया गया है। माना जा रहा है कि यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिका अब रोड्रिगेज को वेनेजुएला की वैध नेता मान रहा है। इससे पहले भी अमेरिका उन्हें कई कूटनीतिक और कानूनी मामलों में देश का प्रमुख मान चुका है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। इसी साल 3 जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को कराकास से गिरफ्तार किया था। दोनों पर इग तस्करी के आरोप लगे हैं और उन्हें न्यूयॉर्क ले जाया गया, जहां उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से वेनेजुएला की राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। अमेरिका का समर्थन मिलने से रोड्रिगेज की स्थिति मजबूत होगी और देश में स्थिरता लाने की कोशिश तेज हो सकती है। हालांकि, यह कदम अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी नए समीकरण बना सकता है और आने वाले समय में इसके बड़े असर देखने को मिल सकते हैं।

इंडोनेशिया में आया 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में जबरदस्त भूकंप आया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि गुरुवार तड़के पूर्वी इंडोनेशिया के तट से दूर समुद्र में 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद एक अमेरिकी निगरानी एजेंसी ने भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में सुनामी की संभावना को लेकर चेतावनी जारी की। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप का केंद्र 1.20 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 126.35 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, यह भूकंप लगभग 30 किलोमीटर की गहराई पर आया। यूएसजीएस ने आगे बताया कि यह भूकंप, जिसकी तीव्रता शुरू में 7.8 मापी गई थी, स्थानीय समय के अनुसार सुबह लगभग 6:48 बजे मोलुक्का सागर में आया। हवाई स्थित पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने एक अलर्ट जारी करते हुए कहा कि भूकंप के केंद्र से 1,000 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठ सकती हैं, खासकर इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के तटीय इलाकों में। यूएसजीएस ने भी भूकंप के केंद्र से उतनी ही दूरी पर स्थित क्षेत्रों में खतरनाक सुनामी लहरों की संभावना के संबंध में चेतावनी दी। इंडोनेशिया दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक है, क्योंकि यह 'प्रशांत अग्नि वलय' पर स्थित है। यह

ज्वालामुखियों और भ्रंश रेखाओं का एक विशाल 40,000 किलोमीटर लंबा चाप है, जो टेक्टोनिक प्लेटों की आपसी हलचल से बना है। प्रशांत महासागर को घेरने वाली यह घोड़े की नाल के आकार की बेल्ट दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंपों का कारण बनती है और यह अपनी लगातार होने वाली भूकंपीय और ज्वालामुखी गतिविधियों के लिए जानी जाती है। यूएसजीएस के अनुसार, अभी पिछले महीने ही 3 मार्च को सुमात्रा के तट से दूर समुद्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे वहां के लोग सहम गए थे, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था। वह भूकंप सुमात्रा के उत्तर-पूर्वी सिरे के पास समुद्र में उत्पन्न हुआ था, जिसके कारण उस क्षेत्र में, जहां अक्सर भूकंप के झटके आते रहते हैं, कई लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भाग निकले थे। इसी बीच, इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने इस भूकंप की तीव्रता 6.4 दर्ज की और बताया कि यह 13 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

अपने ही घर में घिरे ट्रंप: डेमोक्रेटिक सांसदों ने यूएस के भविष्य पर उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि आगे चलकर इस युद्ध की मानवीय, आर्थिक और भू-राजनीतिक कीमत बहुत भारी पड़ रही है। राष्ट्रपति के राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले सांसदों ने एक साझा बयान जारी कर अपनी चिंताएं जाहिर की। सांसद ग्रेगरी मीक्स, एडम स्मिथ और जिम हाइम्स ने कहा राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी मर्जी से ईरान के खिलाफ यह युद्ध शुरू किया था। इसे शुरू हुए एक महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन ट्रंप अपने लक्ष्यों को हासिल करने के करीब भी नहीं पहुंचे हैं। सांसदों का तर्क है कि इस सैन्य कार्रवाई से ईरान के शासन में कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया है। ईरान अब भी परमाणु कार्यक्रम चलाने, मिसाइलें बनाने और आतंकी समूहों की मदद करने में सक्षम है। इसके अलावा, ट्रंप ईरान के आम लोगों को भी कोई राहत नहीं दे पाए हैं। सांसदों ने इस युद्ध में हुए जान-माल के मानवीय और भौतिक नुकसान को उजागर करते हुए बयान में आगे कहा, अब तक 13 अमेरिकी सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

युद्ध में अरबों डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण या तो बर्बाद हो गए हैं या उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। मानवीय नुकसान का जिक्र करते हुए सांसदों ने कहा कि हजारों ईरानी नागरिक मारे गए हैं, जिनमें 150 से ज्यादा स्कूली छात्राएं भी शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप की इस विनाशकारी कार्रवाई की वजह से बहुत से लोग अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं और कट्टरपंथ बढ़ रहा है। बयान में कहा गया कि इस युद्ध की वजह से दुनिया भर में तेल, खाद और हीलियम जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई कम हो गई है। इससे अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। सांसदों ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप ने अपने पुराने और वफादार सहयोगियों का अपमान किया, उन पर दबाव डाला है और उन्हें नीचा दिखाया है।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई बच्चों के भविष्य में निवेश जैसी, हमले तेज करने की दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आने वाले हफ्तों में ईरान के खिलाफ हमले और तेज करने की बात कही और चेतावनी दी है कि ये हमले अभी कुछ हफ्तों तक और चलेगा। ट्रंप ने कहा कि हम अगले दो से तीन हफ्तों में उन पर बहुत जोरदार हमला करने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के खिलाफ इन हमलों को बच्चों के भविष्य में निवेश बताया। देश के नाम अपने संबोधन में स्थानीय समयानुसार बुधवार को ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एक महीने से थोड़ा ज्यादा चला है, लेकिन अमेरिका ने पहले ही उस चीज को खत्म कर दिया है जिससे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा, 'हम इस सैन्य ऑपरेशन में 32 दिनों से हैं और देश को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है और असल में अब कोई खतरा नहीं है।' उन्होंने कैंपेन की रफ्तार में तेजी को दिखाने के लिए

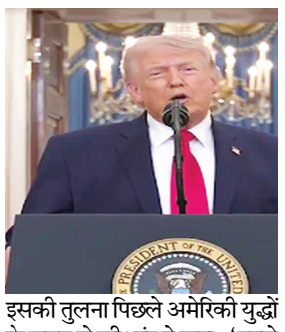

इसकी तुलना पिछले अमेरिकी युद्धों के समय से की। ट्रंप ने कहा, 'पहले विश्व युद्ध में अमेरिका की भागीदारी एक साल, सात महीने और पांच दिन तक चली। दूसरा वर्ल्ड वॉर तीन साल, आठ महीने और 25 दिन तक चला। कोरियाई युद्ध तीन साल, एक महीने और दो दिन तक चला। वियतनाम युद्ध 19 साल, पांच महीने और 29 दिन तक चला और इराक युद्ध आठ साल, आठ महीने और 28 दिन तक चला।

ईरान ऑपरेशन को बहुत तेज बताते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ऐसी रफ्तार से नतीजे दिए हैं जो मॉडर्न लड़ाई में बहुत कम देखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'लड़ाई के इतिहास में कभी किसी दुश्मन को कुछ हफ्तों में इतना साफ, भयानक और बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ।' उन्होंने कहा कि लड़ाई का कम समय सैन्य ताकत और रणनीतिक स्पष्टता दोनों को दिखाता है।

ट्रंप ने कहा, 'हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम तब तक काम करते रहेंगे, जब तक हमारे मकसद पूरी तरह पूरे नहीं हो जाते। हमने जो प्रक्रिया की है, उसकी वजह से मैं कह सकता हूं कि हम बहुत जल्द अमेरिका के सभी मकसद पूरे करने की राह पर हैं।'

उन्होंने ईरान को यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो हम उनके हर बिजली बनाने वाले प्लांट पर बहुत जोरदार हमला करेंगे और शायद एक साथ। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस लड़ाई को अमेरिका के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य पक्का करने की कोशिश बताया है। ट्रंप ने कहा, 'यह आपके बच्चों और आपके नाती-पोतों के भविष्य में एक सच्चा निवेश है।

उन्होंने दोहराया कि ईरान को न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जंग जरूरी है। हालांकि ट्रंप के अपने इंटेलिजेंस चीफ ने पिछले साल माना था कि तेहरान ऐसा नहीं चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के आखिरी में कहा, 'जंग पहले ही जीत ली गई है और लगभग खत्म हो चुकी है। हम अमेरिका और दुनिया के लिए ईरान के खतरनाक खतरे को खत्म करने की कगार पर हैं।'

यूएन चीफ ने भारत की शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर काम कर चुकीं शालिनी बहुगुणा को पापुआ न्यू गिनी में निवासी समन्वयक (रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर) नियुक्त किया है। यूएन महासचिव गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार को कहा कि उनके पास अंतरराष्ट्रीय संगठन के साथ काम करने का दशकों का अनुभव है। एक रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में वह पापुआ न्यू गिनी में संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अधिकारी होंगी और वहां चल रहे 192 कार्यक्रमों के समन्वय का नेतृत्व करेंगी। रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर किसी देश में यूएन के सबसे ऊंचे रैंक के अधिकारी

होते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र प्रोग्राम पर काम करने वाले संगठनों की टीमों का नेतृत्व करते हैं। यूएन के मुताबिक, हाल ही में शालिनी बहुगुणा ने यूनिसेफ के साथ काम किया और एक्सेंचर के साथ पार्टनरशिप में एक एआई रणनीति विकसित की। इससे पहले, वह तंजानिया में यूनिसेफ की रिप्रजेंटेटिव थीं, जहां उन्होंने बच्चों के अधिकारों और देश के विकास की प्राथमिकता को आगे बढ़ाया। वह इथियोपिया और म्यांमार में यूनिसेफ की डिप्टी रिप्रजेंटेटिव और नाइजीरिया में सामाजिक नीतियों और लिंग की प्रमुख रह चुकी हैं। शालिनी बहुगुणा ने भारत के विकास, पानी और सफाई के मुद्दों पर एक एनजीओ के लिए काम करने के साथ अपना करियर शुरू किया था और बाद में भारत सरकार और विश्व बैंक के वॉटर सेक्टर रिफॉर्म प्रोग्राम के साथ काम किया। ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी) के साथ काम करने के दौरान उन्हें चीन, इंडोनेशिया और अफगानिस्तान भी जाना पड़ा। इसके अलावा उन्होंने तंजानिया में यूनिसेफ की प्रतिनिधि के रूप में बच्चों के अधिकारों और देश की विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया। शालिनी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। उनके पास ब्रिटेन की स्वानसी यूनिवर्सिटी से डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स और इंटरनेशनल डेवलपमेंट में मास्टर डिग्री है। उनके पास अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से विकास, मानवीय और शांति स्थापना के क्षेत्रों में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने एशिया और अफ्रीका के विभिन्न देशों में जटिल और सांस्कृतिक रूप से विविध टीमों का नेतृत्व किया है।

क्लब जाकर ईरान युद्ध की खुफिया जानकारी लीक कर रहे अमेरिकी सैनिक?

सैन डिएगो , एजेंसी। सैन डिएगो अमेरिका के बड़े सैन्य केंद्रों में से एक है, जहां कई बड़े नौसैनिक और सैन्य ठिकाने हैं, और आम तौर पर ऐसे इलाकों के पास स्ट्रिप क्लब और बार भी होते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन में इस बात को साफ कर दिया है कि ईरान युद्ध अभी जारी रहेगा। ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि आने वाले हफ्तों में अमेरिका ईरान पर और तगड़े हमले करने वाला है। इससे पहले यह खबरें थीं कि अमेरिका जल्द ही ईरान में जमीनी अभियान शुरू कर सकता है और इसके लिए ट्रंप ने हजारों अमेरिकी सैनिकों की तैनाती शुरू कर दी है। अब इन सैनिकों को लेकर एक हैरतअंगेज खबर सामने आई है। अमेरिका की एक जानी मानी टिकटॉकर ने अपनी एक वीडियो में दिखाया है कि किस तरह अमेरिकी सैनिक इस जंग से निराश हो गए हैं और इस निराशा में वह खुफिया जानकारियां भी लीक कर देते हैं। पेशे से क्लब में डांस करने वाली एक टिकटॉकर ने दावा किया है कि कई अमेरिकी जवान अपनी तैनाती से जुड़ी बातें लोगों को बता रहे हैं। वायरल वीडियो में सैन डिएगो की डांसर चार्म डेज, जिनके करीब नौ लाख फॉलोअर्स हैं, ने बताया कि पास के सैन्य ठिकानों से आने वाले कई सैनिक क्लब में आते हैं और खूब पैसे लुटाते हैं। वायरल वीडियो में क्या दावा? वीडियो में चार्म ने बताया, 'मैंने हाल में देखा है कि बहुत सारे सैन्य लोग आ रहे हैं और अपना सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। वे थोड़े उदास लगते हैं। कहते हैं 'हम मजे करेंगे', लेकिन साफ दिखता है कि कुछ ठीक नहीं है। फिर बताते हैं कि 'हम अगले हफ्ते अभियान शुरू करने वाले हैं'।' डांसर आगे कहती है, 'इनमें से कई बहुत अच्छे हैं, लेकिन इतने कम उम्र के लड़कों को देखना और फिर उन्हें अलविदा कहना मुझे भावुक कर देता है।' बता दें कि सैन डिएगो अमेरिका के बड़े सैन्य केंद्रों में से एक है, जहां कई बड़े नौसैनिक और सैन्य ठिकाने हैं, और आम तौर पर ऐसे इलाकों के पास स्ट्रिप क्लब और बार भी होते हैं। ग्राउंड ऑपरेशन की तैयारी तेज इस वीडियो के बाद अब यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका ईरान में बड़े स्तर पर ग्राउंड ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। संभावित अमेरिकी जमीनी अभियान की अटकलों के बीच, अमेरिका ने मंगलवार को आक्रमण पोत यूएसएस ट्रिपोली को हिंद महासागर में तैनात कर दिया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी है। सेंटकॉम द्वारा जारी एक तस्वीर में 45,000 टन वजनी युद्धपोत को हिंद महासागर में नौवहन करते हुए दिखाया गया, हालांकि ईरान से इसकी सटीक दूरी का खुलासा नहीं किया गया। अमेरिका के रक्षा विभाग द्वारा 26 मार्च को साझा की गयी तस्वीरों के अनुसार, ट्रिपोली पर 31वें समुद्री अभियान दल के लगभग 1,800 नौसैनिक तैनात हैं। कुछ फोटोज में मरीन 'जहाज रक्षा अभ्यास' में भाग लेते नजर आए। अमेरिकी नौसेना के आंकड़ों के मुताबिक यह पोत लगभग 1,850 नौसैनिकों के साथ करीब 1,200 नाविकों के दल को ले जाने में सक्षम है। इसी बीच, सैन्य जमावड़े के तहत लगभग 2,200 नौसैनिकों के साथ 11वां नौसैनिक अभियान दल को भी पश्चिम एशिया की ओर भेजे जाने की खबर है। इसके अलावा 82वीं वायुसेना इकाई के करीब 1,000 सैनिकों को क्षेत्र में तैनात किए जाने की सूचना है।

नासा ने ऐतिहासिक आर्टेमिस-2 मानवयुक्त चंद्र मिशन का किया शुभारंभ

फ्लोरिडा, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस 2 चंद्र मिशन अमेरिका के फ्लोरिडा से प्रक्षेपित हुआ। इसमें चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर 50 से अधिक वर्षों में पहली बार चंद्रमा के चारों ओर मानवयुक्त उड़ान भरी गई। स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट जिसके शीर्ष पर ओरियन अंतरिक्ष यान लगा था, बुधवार को शाम 6:35 बजे (ईस्टर्न टाइम) नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया गया। यह आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत नासा का पहला मानवयुक्त मिशन है। चार सदस्यीय दल में नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच शामिल हैं। साथ ही कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन भी दल का हिस्सा हैं। लॉन्च काउंटडाउन को टी-10 मिनट के समय पर थोड़ी देर के लिए रोका गया था, जिसके बाद कुछ मिनटों में इसे फिर से शुरू कर दिया गया। आर्टेमिस 2 मिशन गहरे अंतरिक्ष अभियानों के लिए आवश्यक कई क्षमताओं का प्रदर्शन करेगा। नासा के अनुसार, इसका उद्देश्य ओरियन के जीवन-समर्थन प्रणालियों को सत्यापित करना और अंतरिक्ष यात्रियों को आर्टेमिस III और आगामी चंद्र मिशनों की सफलता के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण संचालन का अभ्यास करने का अवसर देना है। दल चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से लगभग 7,400 किलोमीटर आगे तक यात्रा करेगा और फिर पृथ्वी पर लौटेगा। यह मिशन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से पहले से कहीं अधिक दूर और चंद्रमा के पहले से कहीं अधिक निकट ले जाएगा, जैसा कि पिछले आधे शताब्दी में कभी नहीं हुआ। पुनः प्रवेश (री-एंट्री) इस मिशन के सबसे चुनौतीपूर्ण चरणों में से एक होगा। ओरियन के पृथ्वी के वायुमंडल में लगभग 25,000 मील प्रति घंटे की गति से प्रवेश करने की उम्मीद है, जहां उसे लगभग 5,000 डिग्री तापमान का सामना करना पड़ेगा, इसके बाद यह प्रशांत महासागर में

उतरेगा। मिशन के दौरान, अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष यान के प्रदर्शन का मूल्यांकन करेंगे, आपातकालीन प्रक्रियाओं का अभ्यास करेंगे और चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से की तस्वीरें लेंगे। यह दल कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का भी प्रतिनिधित्व करता है। इस मिशन में पहली महिला, पहला अफ्रीकी-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और चंद्रमा की ओर यात्रा करने वाला पहला कनाडाई शामिल है। आर्टेमिस 2 को नासा की व्यापक योजना के शुरुआती कदम के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा पर दीर्घकालिक मानव उपस्थिति स्थापित करना और अंततः अंतरिक्ष यात्रियों को मंगल ग्रह तक भेजना है। आर्टेमिस कार्यक्रम अपोलो मिशनों के बाद शुरू किया गया है, जिनके तहत 1968 से 1972 के बीच 24 अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजा गया था, जिनमें से 12 ने उसकी सतह पर कदम रखा था। नासा इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए चंद्रमा पर एक दीर्घकालिक आधार (लूनर बेस) स्थापित करना चाहता है और इस दशक के अंत तक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मिशनों की योजना बना रहा है। इसके बाद मंगल की ओर आगे बढ़ेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

AC रिपेयरिंग के बहाने ड्रग्स का काला कारोबार

सूरत के गोपीपुरा में फ्लैट पर छापा, 6.44 लाख के MD ड्रग्स के साथ मैकेनिक गिरफ्तार

शाहपुर का 'एजाज बटला' वांछित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के गोपीपुरा इलाके के मोमनावाड़ स्थित एक अपार्टमेंट में छापा मारकर पुलिस ने लाखों रुपये कीमत के मेफेड्रोन (MD) ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। रखी और पंचों की मौजूदगी में फ्लैट पर छापा मारा। तलाशी के दौरान घर से संदिग्ध पदार्थ मिला, जिसकी जांच में वह स्ष्ठ ड्रग्स निकला।

पुलिस ने मौके से कुल 214 .730 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद किया, जिसकी बाजार कीमत लगभग 6,44,190 आंकी गई है। इसके अलावा सर्विसिंग करता था, लेकिन इस काम में पर्याप्त आय नहीं होने के कारण उसने दो साल पहले यह काम छोड़ दिया और ड्रग्स के अवैध कारोबार में शामिल हो गया।

क्राइम ब्रांच की पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह यह ड्रग्स सूरत के शाहपुर इलाके में रहने वाले एजाज उर्फ

चौंकाने वाली बात यह है कि पकड़ा गया आरोपी पहले AC और फ्रिज रिपेयरिंग का काम करता था, लेकिन जल्दी पैसे कमाने की चाह में वह अपराध की दुनिया में उतर गया।

सूरत क्राइम ब्रांच को पुख्ता सूचना मिली थी कि गोपीपुरा मोमनावाड़ स्थित जालाराम अपार्टमेंट के दूसरे माले पर फ्लैट नंबर 201 में रहने वाला मोहम्मद जुबेर गुलामरसूल शाह प्रतिबंधित नशीले पदार्थ का जखीरा रखे हुए है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी ड्रग्स की बिक्री में उपयोग होने वाला डिजिटल वजन कांटा और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। क्राइम ब्रांच ने कुल 6,59,290 का मुद्दामाल जब्त कर आरोपी के खिलाफ DCB पुलिस स्टेशन में NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

पूछताछ में आरोपी मोहम्मद जुबेर के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। वह केवल 10वीं तक पढ़ा है और पहले AC व फ्रिज रिपेयरिंग का काम करता था। वह घर-घर जाकर बटला मुस्ताक डायर नामक व्यक्ति से लाता था। एजाज फिलहाल फरार है और पुलिस ने उसे वांछित घोषित कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क शहर के अन्य युवाओं तक भी फैला हो सकता है।

जांच अधिकारी इस दिशा में भी जांच कर रहे हैं कि क्या आरोपी अपने पुराने पेशे यानी AC रिपेयरिंग के संपर्कों का इस्तेमाल ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क बढ़ाने के लिए कर रहा था।

लाजपोर जेल में SMC कर्मचारी की संदिग्ध

डिंडोली पुलिस द्वारा पैसों के लेन-देन मामले में पकड़े गए युवक की अस्पताल में मौत

परिवार ने सूदखोरों के उत्पीड़न का आरोप लगाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की लाजपोर जेल एक बार फिर विवादों में आ गई है। डिंडोली पुलिस द्वारा पैसों के लेन-देन के मामले में पकड़े गए सूरत महानगरपालिका के सफाई कर्मचारी राहुल भगवान चित्ते की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस कथित कस्टोडियल डेथ के बाद मृतक के परिवार में भारी रोष है और सचिन पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

मृतक राहुल भगवान मथुराम चित्ते (उम्र 32 वर्ष) सूरत महानगरपालिका में सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। 24 तारीख को जब वह अपनी ड्यूटी पर था, तभी डिंडोली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आर्थिक लेन-देन से जुड़े एक मामले में शिकायत के बाद उसे लाजपोर जेल भेजा गया। हालांकि, कुछ ही समय में उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जेल में हुई इस मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

मृतक के पिता भगवानभाई ने बताया कि राहुल ने किसी व्यक्ति से ब्याज पर पैसे लिए थे। आर्थिक तंगी के कारण वह समय पर पैसे वापस नहीं कर पाया। इसके बाद सूदखोरों ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। परिवार का आरोप है कि सूदखोरों के मानसिक दबाव और पुलिस कार्रवाई के तनाव के कारण राहुल की मौत हुई।

सिविल अस्पताल में मौजूद मृतक के पिता ने न्याय की मांग करते हुए कहा कि उनका बेटा पूरी तरह स्वस्थ था और उसे कोई बीमारी नहीं थी। जिस दिन उसे पुलिस ने पकड़ा, उस दिन भी वह अपनी ड्यूटी पर था। पिता का कहना है कि 23 तारीख को गिरफ्तारी के बाद उसे जेल भेजा गया और फिर अचानक अस्पताल ले जाया गया, जो संदेह पैदा करता है। बीती रात 11 से 12 बजे के बीच राहुल ने अंतिम सांस ली। जेल में बंद कैदी की अस्पताल में मौत को 'कस्टोडियल डेथ' माना जा रहा है। नियमों के अनुसार ऐसे मामलों में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में जांच और पैनल डॉक्टरों द्वारा पोस्टमॉर्टम किया जाता है। फिलहाल सचिन पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मौत का कारण कोई शारीरिक समस्या थी या अन्य कोई वजह।

धरमपुर में एडिशनल सेशन्स जज के बंद बंगले में चोरी का प्रयास असफल

तस्करों ने घुसकर सामान बिखेरा,कोई कीमती वस्तु चोरी नहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

धरमपुर के दशोद्री फलिया क्षेत्र में स्थित एडिशनल सेशन्स जज एम.ए. मिर्जा के बंद बंगले में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी का असफल प्रयास किया गया। चोरों ने बंगले में घुसकर सामान अस्त-व्यस्त कर दिया, लेकिन मिली जानकारी के अनुसार, जज एम.ए. मिर्जा 28 मार्च 2026 से अवकाश पर थे, जिसके कारण उनका किराए का बंगला बंद था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने बंगले के पीछे लगे ग्रिल वाले दरवाजे को खोलकर अंदर प्रवेश किया। यह घटना 1 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे सामने आई, जब कोर्ट के पटावाला हरेशभाई जज के दौरान बंगले के एक छोटे कमरे में रखा सामान बिखरा हुआ पाया गया।

जज एम.ए. मिर्जा से बातचीत के बाद स्पष्ट हुआ कि बंगले से कोई भी सामान चोरी नहीं हुआ है। चोर केवल चोरी के इरादे से अंदर घुसे थे, लेकिन अपने मकसद में सफल नहीं हो पाए। इस संबंध में एडिशनल सेशन्स कोर्ट के रजिस्ट्रार हेमंतभाई

प्रारंभिक जांच में कोई कीमती सामान चोरी होने की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के संबंध में धरमपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। का कोट लेने बंगले पर पहुंचे। हरेशभाई ने जब बंगले का पिछला दरवाजा खुला देखा तो तुरंत कोर्ट के रजिस्ट्रार हेमंतभाई नटुभाई पटेल को सूचना दी। इसके बाद रजिस्ट्रार और अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे। जांच नटुभाई पटेल ने धरमपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (क्क्रस्स्) की धारा 331(3), 331(4), 305(ए) और 62 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विशाल श्री श्याम संकीर्तन का हुआ भव्य आयोजन

देर रात तक रहा भक्तों का ताँता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,रिंग रोड़ मान दरवाज़ा स्थित गैलेक्सी टेक्सटाइल मार्केट प्रांगण में शुक्रवार को विशाल श्री श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन रुंगटा डवलपर्स परिवार के अनिल रुंगटा ने बताया की इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य दरबार कोलकाता के सुप्रसिद्ध कारीगरों द्वारा सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम सवा छः बजे से अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की गई। इसके पश्चात विशाल भजन संध्या की शुरुआत स्थानीय गायक कलाकार अजीत दधीच ने की। इसके बाद भजन संध्या में कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार राज पारीक ने एक से बढ़कर एक भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी। उनके भजनों पर भक्त भाव विभोर हो झूमकर नाचकर बाबा को मनाया। आयोजन में सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी। देर रात चले आयोजन का समापन महाआरती से हुआ। इस मौके पर अनेकों व्यापारीगण, श्याम भक्त उपस्थित रहें।

पलसाणा नेशनल हाईवे-48 पर ट्रक से प्रतिबंधित गौ-मांस बरामद

मांखिंगा गांव सीमा से यूपी के ड्राइवर की गिरफ्तारी सूरत का व्यापारी फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के पलसाणा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में नेशनल हाईवे नंबर 48 पर मांखिंगा गांव की सीमा से पुलिस ने प्रतिबंधित गौ-मांस का जखीरा पकड़ा है। मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी रखी और एक ट्रक की तलाशी लेने पर यह माल बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि मांस सप्लाई करने वाले सूरत के एक अज्ञात व्यापारी को वांछित घोषित किया गया है।

पुलिस को मिली पुख्ता जानकारी के आधार पर मांखिंगा गांव की सीमा में भाग्यश्री वेयरहाउसिंग के गेट के पास चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने अशोक लेलैंड कंपनी की ट्रक (नंबर: त्नछ्व.01.रुख़.9612) को रोककर तलाशी ली। तलाशी के

दौरान ट्रक की केबिन में रखी स्टील की तपेली से पका हुआ गौ-मांस बरामद हुआ।

पुलिस ने मौके से लगभग 1 किलो 500 ग्राम गौ-मांस (अनुमानित कीमत 300), 1,000 नकद और 100 कीमत की स्टील की तपेली सहित कुल 1,400 का मुद्दामाल (ट्रक को छोड़कर) जब्त किया है।

इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक मोहम्मद कैफ मोहम्मद अकरम कुरैशी (उम्र 22 वर्ष, निवासी प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि यह गौ-मांस सूरत के उन पाटिया क्षेत्र में दुकान चलाने वाले एक व्यक्ति ने दिया था। फिलहाल पुलिस ने उस अज्ञात दुकानदार को वांछित घोषित कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कांठा शुगर लोन घोटाले में 3 आरोपियों की जमानत नामंजूर

सूरत सेशन कोर्ट ने 15.65 करोड़ लोन मंजूरी घोटाले में सुनाया फैसला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ओलपाड तालुका के सरस स्थित कांठा शुगर फैक्ट्री में 15.65 करोड़ के लोन मंजूरी घोटाले के मामले में सूरत सेशन कोर्ट ने तीनों आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इस फैसले के बाद आरोपियों को जेल हिरासत में भेज दिया गया है।

यह घोटाला नई दिल्ली स्थित एनसीडीसी (ह्रष्टष्ठष्ट) से दो चरणों में कुल 15,65,24,000 की लोन मंजूरी से जुड़ा है। मामले में आरोप है कि शुगर गोदाम में केवल 4,022 क्विंटल चीनी स्टॉक होने के बावजूद 59,402 क्विंटल स्टॉक दर्शाते हुए फर्जी वेरिफिकेशन पत्रक के आधार पर लोन प्राप्त किया गया।

इस मामले में शुगर फैक्ट्री के पूर्व एमडी प्रदीप गौत्तमभाई पंड्या (निवासी अंकलेश्वर), गोदाम कीपर प्रदीप भगुभाई पटेल (निवासी सूरत) और द सूरत पीपल्स बैंक के पूर्व एमडी जतिनभाई ईश्वरभाई नायक (निवासी अडाजण, सूरत) पुलिस गिरफ्त में हैं। वर्तमान में सभी आरोपी सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में बंद हैं।

आरोपियों के वकील ने सूरत सेशन कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। 20 मार्च की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने पुलिस पर आरोप लगाया कि लोन की रकम इस्तेमाल करने वाले असली संचालकों को बचाया जा रहा है। इस पर ओलपाड पुलिस स्टेशन के पीआई सी.आर. जादव ने अदालत को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। कोर्ट ने दो दिन में जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था।

पुलिस द्वारा अतिरिक्त समय मांगने पर कोर्ट ने 30 मार्च को आरोपियों को पुनः पेश करने का निर्देश दिया। 30 मार्च की सुनवाई में पीआई सी.आर. जादव ने जांच संबंधी पंचनामा और शपथपत्र (अफिडेविट) प्रस्तुत कर बताया कि जांच जारी है और अन्य आरोपियों के नाम सामने आने की संभावना है।

सरकारी नियुक्त कस्टोडियन प्रमुख बृजेश पटेल ने भी कोर्ट में साक्ष्यों सहित शपथपत्र प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया कि शुगर कर्मचारी प्रदीप भगुभाई पटेल की जिम्मेदारी सेल्समैन की थी, फिर भी उसने लोन दस्तावेज में गोदाम कीपर के रूप में हस्ताक्षर किए थे।

सरकारी वकील नयन सुखड़वाला और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने 30 मार्च को फैसला सुरक्षित रखा था। अंततः सूरत सेशन कोर्ट ने तीनों आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर उन्हें जेल कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है। अब आरोपियों को जमानत के लिए गुजरात हाईकोर्ट का रुख करना होगा।

गुजरात गैस की एमडी ने किया लक्ष्मीपति मिल का दौरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,गुजरात गैस की एमडी अवंतिका सिंह ने शुक्रवार को अपनी टीम के साथ पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति मिल का दौरा किया। लक्ष्मीपति ग्रुप के डायरेक्टर संजय सरावगी ने बताया की अपने दौरे में उन्होंने घरेलू एवं कॉमर्शियल गैस की समस्या के बारे में समझा। साथ ही उसका जल्द से जल्द निराकरण के लिए उन्होंने अपने

अधिकारियों से भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कपड़ा बनने की प्रोसेस देखी एवं उसमें गैस के उपयोग को समझा। इस अवसर पर लक्ष्मीपति ग्रुप द्वारा उनका सम्मान किया गया।